epaper.dehatsandesh.com

3 अंतर-ग्रामीण वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन

5 धामी ने साइकिलिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पदम देकर किया सम्मानित

8 फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती

न्यूनतम 6 मौसम जम्मू अधिकतम 20

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-37 जम्मू तवी, शनिवार 08 फरवरी, 2025 मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये पृष्ठ -8

नीतिगत दरों में पांच वर्ष बाद कमी, ऋण के सस्ते होने की उम्मीद

मुंबई 07 फरवरी। भारतीय रिजर्व बैंक ने चुनौतिपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत और लचीली बने रहने और आगे महंगाई में नरमी आने की उम्मीद जताते हुये करीब पांच वर्ष बाद नीतिगत दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती तथा मौद्रिक रूख को 'तटस्थ' रखने का निर्णय लिया जिससे आवास ऋण, वाहन ऋण और व्यक्तिगत ऋणों के सस्ते होने की उम्मीद बनी है।

लगातार ग्यारहवीं बैठक में बेंचमार्क रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के बाद केंद्रीय बैंक ने आर्थिक विकास की गति कम होने और मुद्रास्फीति के अपने 4 प्रतिशत लक्ष्य के करीब पहुँचने के संकेतों के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच दरों में कटौती की। रिजर्व बैंक ने लगभग पाँच वर्षों में पहली बार बेंचमार्क दरों में कटौती की। इससे पहले कोरोना के दौरान मई 2020 में रेपो दर में 40 आधार अंकों की कटौती करके इसे 4 प्रतिशत किया गया था।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की चालू वित्त वर्ष की मौद्रिक नीति की छठी और अंतिम तीन दिवसीय द्विमासिक बैठक में लिए गये निर्णयों की

जानकारी देते हुये कहा कि मुद्रास्फीति लक्ष्य के अनुरूप है। समिति ने सर्वसम्मति से दरों में कटौती करने और रुख को बनाए रखने का निर्णय लिया।

उन्होंने कहा कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच समिति ने सर्वसम्मति से बेंचमार्क नीति दरों में 25 आधार अंकों की कटौती करके इसे 6.50 प्रतिशत से 6.25 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। परिणामस्वरूप, स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 6.00 प्रतिशत होगी और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर तथा बैंक दर 6.50 प्रतिशत होगी। एमपीसी ने सर्वसम्मति से तटस्थ रुख जारी रखने तथा विकास को समर्थन देते हुए मुद्रास्फीति को लक्ष्य के साथ टिकाऊ रूप से संरेखित करने पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है जिसमें पहली तिमाही 6.7 प्रतिशत, दूसरी तिमाही 7 प्रतिशत, तथा तीसरी और चौथी तिमाही 6.5 प्रतिशत रहेगी। चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के 4.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है जिसमें चौथी तिमाही में इसके 4.4 प्रतिशत रहने की संभावना है। अगले वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के 4.2 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताते हुये उन्होंने कहा कि खुदरा महंगाई पहली तिमाही में 4.5 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 4.0 प्रतिशत, तीसरी तिमाही 3.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.2 प्रतिशत रह सकती है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति में गिरावट आई है। खाद्य पर अनुकूल परिदृश्य तथा पिछली मौद्रिक नीति कार्रवाइयों के निरंतर प्रसारण के समर्थन से, 2025-26 में इसमें और नरमी आने की उम्मीद है, जो धीरे-धीरे लक्ष्य के साथ संरेखित होगी। समिति ने विकास का समर्थन करने के लिए नीतिगत पहल की है।

मुख्यमंत्री उमर ने विभिन्न हितधारकों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठकों की अध्यक्षता की

जम्मू 07 फरवरी। लगातार तीसरे दिन बजट-पूर्व परामर्श जारी रखते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विभिन्न क्षेत्रों और जिलों के मुद्दों और विकासात्मक प्राथमिकताओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए जन प्रतिनिधियों और प्रमुख हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा शांतमनु, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, वित्त, समाज कल्याण, पर्यटन, उद्योग और वाणिज्य, युवा सेवा और खेल के प्रशासनिक सचिव, पुलवामा और रियासी जिलों के उपायुक्त और विभिन्न विभागों के प्रमुख, व्यक्तिगत रूप से और वस्तुतः उपस्थित थे। पुलवामा और रियासी जिलों के जिला विकास परिषद के अध्यक्षों और विधान सभा के सदस्यों सहित जन प्रतिनिधियों ने बिजली आपूर्ति, पेयजल योजनाओं, बाढ़ प्रबंधन, स्कूलों और अस्पतालों के स्टाफिंग, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के उन्नयन, पुलों के निर्माण और नए पर्यटन स्थलों, पार्कों और पार्किंग सुविधाओं के विकास के बारे में चिंताएं

उठाईं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि ये परामर्श ऐसे बजट को आकार देने के लिए आवश्यक थे जो वास्तव में लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता हो। उन्होंने जमीनी स्तर की चुनौतियों को समझने में जन प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया और उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं पर उचित विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट विशेष महत्व रखता है क्योंकि कई वर्षों में यह पहली बार है कि जम्मू-कश्मीर जन प्रतिनिधियों के परामर्श से अपना बजट तैयार कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये परामर्श बजट प्रक्रिया में समावेशिता सुनिश्चित करने का एक प्रयास था। अतीत में, देश के वित्त मंत्री के लिए आप सभी से मिलना और जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट आवश्यकताओं पर चर्चा करना संभव नहीं था। लेकिन चुनाव और हमारी सरकार के गठन के बाद, अब हमारे पास अपना बजट तैयार करने का अधिकार है, जिससे ये बातचीत और भी महत्वपूर्ण हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्र के दौरान 33 से अधिक हस्तक्षेप किए गए, जो ध्यान देने की आवश्यकता वाले विकासात्मक मुद्दों की विस्तृत श्रृंखला को दर्शाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि हालांकि प्रत्येक मांग को तुरंत पूरा करना संभव नहीं है, यहां कही गई किसी भी बात को नजरअंदाज नहीं किया जाएगाऋ और बजट निर्माण के दौरान सभी चिंताओं की सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी।''

सरकार ने अधिकारियों को निर्वाचित प्रतिनिधियों के मुद्दों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया

श्रीनगर, 7 फरवरी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने शुक्रवार को सभी सरकारी विभागों और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित विधानसभा सदस्यों (विधायकों) के मुद्दों को प्राथमिकता और उचित प्रोटोकॉल दें।

जम्मू-कश्मीर सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निर्वाचित प्रतिनिधियों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए, उनकी चिंताओं का कुशलतापूर्वक समाधान करना चाहिए और सभी बातचीत में पेशेवर और सम्मानजनक दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए।

परिपत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि निर्वाचित प्रतिनिधि जमीनी स्तर पर शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनके संचार, शिकायतों और अनुरोधों को बिना देरी के स्वीकार किया जाना चाहिए और उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

इसमें कहा गया है कि विधायकों को उनके संबंधित अधिकार क्षेत्र में आधिकारिक समारोहों और बैठकों में आमंत्रित किया जाना चाहिए, खासकर गणमान्य व्यक्तियों के दौरे के दौरान। यह सुनिश्चित करने के लिए कि शासन के मामलों में जनप्रतिनिधियों को उचित महत्व दिया जाए, यह निर्देश सभी विभागों में तत्काल और सख्त अनुपालन के लिए जारी किए गए हैं।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

बनिहाल, 07 फरवरी । शुक्रवार को बनिहाल के खारपोरा चौक के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। एक अधिकारी ने बताया कि बनिहाल के खारपोरा चौक के पास एक व्यक्ति का शव मिला है। शव को एसडीएच बनिहाल में स्थानांतरित कर दिया गया है और पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

दो ड्रग तस्करों से 10 किलोग्राम से अधिक चरस और नकदी जब्त

अनंतनाग, 07 फरवरी । नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान के दौरान पुलिस ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले में दो जगह ड्रग तस्करों से 10 किलोग्राम से अधिक चरस और नकदी जब्त की है। इन मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि विश्वसनीय स्रोतों से सूचना के आधार पर खुल चोहर मट्टन निवासी फारूक अहमद के घर की तलाशी के दौरान लगभग 10 किलोग्राम चरस पाउडर और 2,16,650 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने कहा कि एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। अनंतनाग पुलिस और संबंधित कार्यकारी मजिस्ट्रेट की एक टीम गठित की गई, जिन्होंने उक्त इस बरामदगी के बाद घर के मालिक को गिरफ्तार करके प्रतिबंधित पदार्थ जब्त कर लिया। वर्तमान मामले में आगे की जांच जारी है।

इसके अलावा पुलिस ने लंगाबल पहलगाम में चेकिंग के दौरान शेख मोहल्ला सल्लार निवासी शाहरुख अहमद शेख को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 120 ग्राम चरस बरामद की। पहलगाम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करके प्रतिबंधित सामग्री जब्त कर ली गई है। पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना अधिकारियों को देकर हमारे प्रयासों का समर्थन करना जारी रखें

जम्मू-कश्मीर में 8 फरवरी को मौसम शुष्क रहेगा : मौसम विभाग

श्रीनगर, 7 फरवरी। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने अगले दो हफ्तों में जम्मू और कश्मीर के लिए शुष्क और बारीश या बर्फबारी वाले मौसम की मिश्रित स्थिति की भविष्यवाणी की है।

पूर्वानुमान के अनुसार 7-8 फरवरी को आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है जबकि 9 फरवरी को अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

10-11 फरवरी को बादल छाए रहने का अनुमान है कश्मीर में छिटपुट स्थानों मुख्य रूप से उत्तरी और मध्य क्षेत्रों के साथ-साथ जम्मू संभाग में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है।

12-14 फरवरी तक मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है उसके बाद 15-16 फरवरी को अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना के साथ आमतौर पर बादल छाए रहेंगे।

कौशल भारत कार्यक्रम को 2026 तक जारी रखने को मंजूरी

नई दिल्ली, 7 फ़रवरी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए 8,800 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केन्द्रीय क्षेत्र योजना 'कौशल भारत कार्यक्रम (एसआईपी)' को 2026 तक जारी रखने और पुनर्गठन को मंजूरी दे दी।

सीआरपीएफ महानिदेशक द्वारा सुरक्षा स्थिति और बल परिचालन तैयारियों की समीक्षा

राजौरी, 7 फरवरी। सीआरपीएफ के महानिदेशक जीपी सिंह ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के अग्रिम इलाकों में अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान सुरक्षा स्थिति और बल की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पहले सीआरपीएफ महानिदेशक ने गुरुवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी मुलाकात की और उन्हें आतंकवाद विरोधी अभियानों और कानून-व्यवस्था की स्थिति के प्रबंधन के लिए बल की तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) प्रमुख ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान सीमावर्ती जिले के कालाकोट, कोपराटॉप और थानामंडी शिविरों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने सैनिकों की परिचालन तैयारियों के अलावा समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। जीपी सिंह ने कोपराटॉप में सीआरपीएफ की 237 बटालियन के तहत स्थापित नए कोपरा काउंटर इंसर्जेंसी कैंप में कर्मियों से बातचीत भी की। यह एक ऐसा स्थल है जहां पिछले चार वर्षों के दौरान काफी आतंकवादी गतिविधियां हुई हैं।

मंडलायुक्त ने शिव खोड़ी तीर्थस्थल पर महा-शिवरात्रि मेले की तैयारियों पर की चर्चा

जम्मू 07 फरवरी। मंडलायुक्त जम्मू और अध्यक्ष, श्री शिव खोड़ी श्राइन बोर्ड, रमेश कुमार ने श्री शिव खोड़ी तीर्थ, रनसू, रियासी में आगामी महा शिवरात्रि मेले के लिए की जा रही तैयारियों पर चर्चा की। मंडलायुक्त ने तीर्थस्थल के विकास और भक्तों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए किए गए कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की स्थिति की भी समीक्षा की।बैठक में निदेशक पर्यटन, उपायुक्त रियासी, बीआरओ, जेएसडब्ल्यू और संबंधित अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से और वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लिया। बैठक के दौरान संभागीय आयुक्त ने पवित्र मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के वर्षवार और माहवार आंकड़ों और पिछले वर्ष की गई व्यवस्थाओं की तुलनात्मक समीक्षा की। मंडलायुक्त ने उपायुक्त रियासी को महा शिवरात्रि मेला 2025 के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने, धार्मिक आयोजन के दौरान आने वाले भक्तों को पूर्ण और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करने का निर्देश दिया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव- मतगणना सुबह आठ बजे से, 699 उम्मीदवारों की किस्मत होगा फैसला

नई दिल्ली , 7 फ़रवरी । दिल्ली विधानसभा चुनावों की मतगणना शनिवार को सुबह आठ बजे कड़ी सुरक्षा के बीच 19 केंद्रों पर शुरू होगी। सुचारू और निष्पक्ष मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके साथ ही दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर लड़ने वाले 699 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला हो जाएगा। उधर, आम आदमी पार्टी की ओर से लगाए गए आरोपों को दिल्ली की मुख्य चुनाव अधिकारी ने खारिज कद्दर दिया है।

दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर. एलिस वाज ने कहा कि मतगणना पर्यवेक्षकों, मतगणना सहायकों, माइक्रो ऑब्जर्वर, सांख्यिकी कर्मचारियों और अन्य सहायक कर्मियों सहित लगभग 5,000 कर्मचारियों को मतगणना प्रक्रिया के लिए तैनात और प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने यह बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पांच वीवीपीएटी की मतदाता पर्ची की गिनती यादृच्छिक (रैंडम) रूप से की जाएगी। वास्तविक समय के परिणाम ईसीआई की वेबसाइट https://results.eci.gov.द्बठ्ठ/ से प्राप्त किए जा सकते हैं।

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी देवेश श्रीवास्तव ने पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से मतगणना के लिए 19 केंद्रों सहित पूरी दिल्ली में अभूतपूर्व सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 15 हजार जवानों को तैनात किया गया है।

'एआई आधारित समाधान 2.0 सार्वजनिक शिकायतों के निपटान के लिए एक संवाद मंच हैं'

जम्मू 07 फरवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने सभी विभागों के प्रशासनिक प्रमुखों की उपस्थिति में इस पोर्टल पर नागरिकों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निपटान सुनिश्चित करने के लिए जनता और प्रशासन दोनों के लिए सभी नई सुविधाओं के साथ समाधान 2.0 को समर्पित किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने इस पुनर्नामित सार्वजनिक शिकायत पोर्टल की उन्नत विशेषताओं पर ध्यान दिया, इसके संभावित परिणामों और इसकी शुरूआत के साथ यहां के लोगों द्वारा प्राप्त किये जाने वाले सुधारों का मूल्यांकन किया।

उन्होंने डेवलपर्स को उनकी सामग्री, क्षेत्र, विभाग, लंबितता, निपटान, लिंग और समय-सीमा के आधार पर शिकायतों को कम करने

के लिए फिल्टर जैसी सुविधाओं को शामिल करने का निर्देश दिया, जिसमें इन शिकायतों का जवाब दिया गया। उन्होंने समान शिकायतों की पहचान के लिए एआई का उपयोग करने का भी सुझाव दिया ताकि इन्हें समयबद्ध तरीके से निवारण के लिए एकत्र किया जा सके।

मुख्य सचिव ने उन्हें दोनों तरह से संचार के लिए एक खुला मंच बनाने की भी सलाह दी ताकि दर्ज की गई शिकायतों का समाधान पीड़ितों की आकांक्षाओं के अनुसार किया जा सके। उन्होंने इस पोर्टल पर पंजीकरण बढ़ाने के लिए कहा ताकि यूटी के जिन घरों में स्मार्ट फोन है, उनकी बात प्रशासन में उचित स्तर पर सुनी जा सके।

अटल डुल्लू ने इस पोर्टल को प्रशासन के लिए जनता तक पहुंचने के लिए वन-स्टॉप समाधान बनाने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पंजीकृत नागरिकों की आसानी और उपयोग के लिए बिजली, पानी, राशन आदि की आवश्यक आपूर्ति, स्वास्थ्य और फसलों के बारे में सलाह, राजमार्गों, छात्रवृत्ति या नौकरियों के बारे में अपडेट के संबंध में जरूरी संदेश भी यहां अधिसूचित किए जाने चाहिए।

उन्होंने संबंधित प्रशासनिक प्रमुखों, उपायुक्तों और विभागों के अन्य एचओडी को सुपर-एक्सेस देने का निर्देश दिया ताकि वे एमआईएस रिपोर्ट और अन्य एआई आधारित टूल पर नजर डालकर शिकायत समाधान की प्रक्रिया की निगरानी कर सकें ताकि उनका गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित हो सके।

जावेद राणा ने 29 जल आपूर्ति योजनाओं के लिए वन भूमि के डायवर्जन को मंजूरी दी

जम्मू 07 फरवरी। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की मंजूरी के अनुसार, जेके सरकार ने डोडा और उधमपुर जिलों में विभिन्न जल आपूर्ति योजनाओं के लिए 10 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि के डायवर्जन को मंजूरी दे दी है।

परियोजनाएं ज्यादातर जिलों में जल आपूर्ति योजनाओं के संवर्धन के लिए जल जीवन मिशन से संबंधित जल आपूर्ति बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित हैं। इसके अतिरिक्त, श्रीनगर-बारामूला-उड़ी सड़क के लिए सामाजिक वानिकी प्रभाग बारामूला की 1.23 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन को मंजूरी दी गई है।पिछले सप्ताह केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव और जेके वन मंत्री जावेद राणा की एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद, एमओईएफसीसी ने 1 फरवरी को परियोजनाओं के तीसरे चरण की मंजूरी के लिए तुरंत कदम उठाया और तदनुसार जेके वन विभाग ने प्रतिपूरक वनीकरण के अधीन अपेक्षित वन भूमि के डायवर्जन को मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि वन मंत्री जावेद अहमद राणा ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव से मुलाकात की थी और उनसे जल जीवन मिशन से संबंधित वन संरक्षण अधिनियम के तहत लंबित मामलों को जल्द निपटाने का आग्रह किया था, जो क्षेत्रीय कार्यालय में चरण-3 की मंजूरी का इंतजार कर रहे थे, ताकि वन क्षेत्रों में जल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बिना किसी देरी के लागू किया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने उठाई गई चिंताओं को स्वीकार किया था और केंद्र सरकार से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया था। जल जीवन मिशन को पूरा करने में तेजी लाने के लिए जिन छह परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है उनमें जल आपूर्ति योजनाएं चिगला बालोटा, चाकल, टिकरी, कुंड, छत्रारी और डब्ल्यूएसएस लाली का सुधार और संवर्द्धन शामिल हैं। जिन अन्य योजनाओं के लिए वन भूमि के उपयोग की मंजूरी दी गई है उनमें उधमपुर वन प्रभाग में डब्ल्यूएसएस मांड, काघोटे, जडसरकोटे, क्रिमची डेली चक, मल्हार, कट्टी और डेमनोट-रेडनोट शामिल हैं। डोडा वन प्रभाग में, जिन सात परियोजनाओं को मंजूरी मिली, उनमें डब्ल्यूएसएस हंच मालना, सील, तांतना, औल उगाद, मोहल्ला, जथाली और जोजोट शामिल हैं और भद्रवाह वन प्रभाग में तीन परियोजनाएं जिनमें डब्ल्यूएसएस थलेला, सौथा और पुनेजा शामिल हैं। रामनगर वन प्रभाग में जिन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है उनमें डब्ल्यूएसएस बालंध, जंद्रारी शामिल हैं।

'रेलवे में पिछले दशक में 5 लाख से अधिक रिक्तियां भरी गईं'

नई दिल्ली, 7 फरवरी । रेल मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि रेलवे ने पिछले दशक में पांच लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती की है। यह आंकड़ा 2004-2014 के कालखंड की तुलना में काफी अधिक है।

भारतीय रेलवे के आकार, स्थानिक वितरण और संचालन की गंभीरता को देखते हुए रिक्तियों का होना और भरना एक सतत प्रक्रिया है। नियमित संचालन, प्रौद्योगिकी में परिवर्तन, मशीनीकरण और नवीन प्रथाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति प्रदान की जाती है। रिक्तियों को मुख्य रूप से परिचालन और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार रेलवे द्वारा भर्ती एजेंसियों के साथ मांगपत्र जारी करके भरा जाता है

अमेरिका से और निकाले जाएंगे 487 अवैध भारतीय प्रवासी, केंद्र ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 7 फरवरी । भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को 487 कथित भारतीय नागरिकों के बारे में सूचित किया है जिन्हें निष्कासन आदेश जारी किए गए हैं। मिस्री के अनुसार, इन व्यक्तियों को कथित तौर पर अमेरिका से संभावित निर्वासन का सामना करना पड़ रहा है।

विदेश सचिव ने एक प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी और आश्वासन दिया कि भारत सरकार अवैध अप्रवासी पाए गए भारतीयों की सुरक्षित वापसी की सुविधा के लिए ट्रम्प प्रशासन के संपर्क में है। मिस्री ने कहा कि भारत सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और इन व्यक्तियों से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ काम कर रही है।

अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों के निर्वासन पर मिस्री ने कहा कि ईएएम द्वारा प्रतिबंधों के उपयोग से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया का विवरण, जो आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन सहित अमेरिकी अधिकारियों द्वारा हमें सूचित किया गया है। विदेश मंत्री ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित

किया कि ये लंबे समय से चलन में हैं। निर्वासित लोगों के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों के बारे में मिस्री ने इसे वैध चिंता बताते हुए कहा कि भारत सरकार अमेरिकी अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को उठाएगी।

हम अपने ध्यान में आने वाले दुर्व्यवहार के किसी भी मामले को उठाना जारी रखेंगे। अवैध आप्रवासन को बढ़ावा देने वाले अंतर्निहित पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ पूरे सिस्टम में कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग ऊटी

यदि आपको प्राकृतिक स्थानों की सैर करने में आनंद आता है तो ऊटी से अच्छी जगह आपके लिए कोई और नहीं। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको बांधकर रख लेती हैं।

पहाड़ों की रानी ऊटी

नीलगिरी जिले की राजधानी है, इसे उद्गमंडल के नाम से भी जाना जाता है। नीलगिरी का अर्थ है- नीला पहाड़, शायद हरे-भरे पहाड़ों के कारण इसे यह नाम दिया गया है। यह समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर है।

जब आप कल्लार से कुनूर जाते हैं तो आपको रास्ते में पेड़-पौधों में तथा मौसम में आश्चर्यजनक बदलाव देखने को मिलता है। आपको कल्लार में गरम मौसम मिलेगा तो उससे आगे गरमी हल्की होती चली जाती है। कुनूर के पास चीड़, नीली गोंद, साइप्रस (सुरू) वृक्षों के कारण जलवायु में नमी महसूस होती है।

जैसे ही ऊटी से गुडलूर की तरफ बढ़ते हैं तो वनस्पतियों को देखकर आपके मन में हर्ष की हिलोरें उठने लगती हैं। यही है प्रकृति के सान्निध्य का आनंद! जलवायु और वनस्पति मिलकर एक खूबसूरत मंजर पेश करते हैं। यहां के चाय बागानों ने बहुत ख्याति पाई है। यहां हर वर्ष चाय और पर्यटन उत्सव में भारी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

दोदाबेट्टा पीक

यह 2623 मीटर की ऊंचाई पर है। यह जिले का सबसे ऊंचा स्थान है, यहां से आप ऊटी के आसपास के क्षेत्र का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं। यह ऊटी से केवल 10 किलोमीटर दूर है।

लैम्ब्स रॉक

यह कुनूर से केवल 9 किलोमीटर दूर है। यहां से आप कोयंबटूर के नजारों और आसपास के इलाकों के चाय बगानों के सुरम्य दृश्य देख सकते हैं। यहां का हर दृश्य फोटो खींचने लायक है तो यहां अपने भीतर छिपे फोटोग्राफर को बाहर निकालिए और जमकर फोटोग्राफी कीजिए।

कोडानाडू व्यू पाइंट

यह नीलगिरी पर्वत श्रृंखला के पूर्वी छोर पर कोटागिरी से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। यहां से आप मोयार नदी और चाय के बागानों का मोहक दृश्य देख सकते हैं। यहां एक प्रेक्षण मीनार भी हैं, जहां से आप रंगास्वामी शिखर का नजारा देख सकते हैं।

बोटनिकल गार्डन्स

जो लोग प्रकृति प्रेमी है, हरियाली देखने, घूमने-फिरने के शौकीन हैं और दुर्लभ फर्न और अन्य पौधे देखना पसंद करते हैं, उनके लिए इस उद्यान से बढ़ कर दूसरी कोई बेहतर जगह नहीं। लगभग 22 हेक्टेयर इलाके में फैले हुए शासकीय वनस्पति उद्यान 1847 में बनाए गए थे। इनमें पौधों और वृक्षों की सैकड़ों-हजारों प्रजातियां हैं। इनमें एक ऐसे वृक्ष का भी जीवाश्म है, जिसके बारे में विश्वास किया जाता है कि वह 2 करोड़ वर्षों से भी अधिक पुराना है। इन खूबसूरत उद्यानों का रखरखाव राज्य के बागवानी विभाग के हाथ में है।

ऊटी झील

यहां नौका विहार कीजिए या मछली पकड़ने का शौक भी पूरा कर सकते हैं।

मुदुमलाई वन्य प्राणी विहार

यह ऊटी से 67 किलोमीटर दूर है। अगर आप 1-2 दिन रुकते हैं, तो वन्य प्राणी विहार को देखना आपके लिए बहुत अच्छा अनुभव होगा। यहां बहुत से पेड़-पौधे और जीव-जंतु हैं। यहां इनकी दुर्लभ प्रजातियां हैं।

यहां हाथी, बड़ी गिलहरियां, सांभर, चीतल, भौंकनेवाले हिरण और उड़नेवाली गिलहरियां तो यूं ही देखने को मिल जाती हैं। इस अभयारण्य में किस्म-किस्म के पक्षियों को भी देखा जा सकता है। इनमें रंगबिरंगे तोते, काले कठफोड़वे, गरुड़ आदि शामिल हैं।

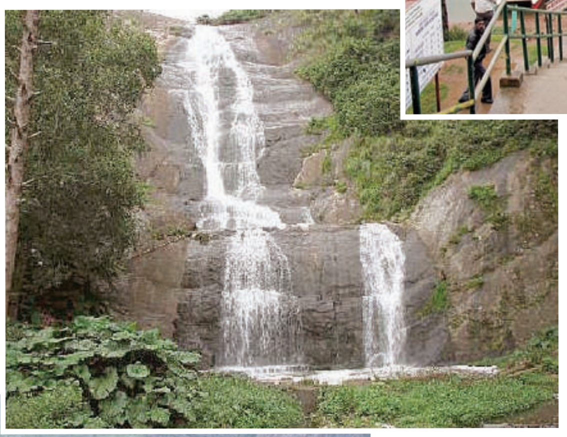

कोटागिरी

यह ऊटी के पूर्व में 28 किलोमीटर दूर पर छोटा-सा गांव है, यह नीलगिरी के 3 हिल स्टेशन में से सबसे पुराना है। यहां का मौसम अन्य पर्वत स्थलों से कहीं अधिक खुशनुमा रहता है। यहां हैरत में डालनेवाले कई चाय बागान हैं। इसलिए ऊटी जाएं तो कोटागिरी की सैर के लिए जाना न भूलें।

कालहट्टी वॉटरफॉल्स

कालहट्टी की ढलानों पर खूबसूरत रमणीक कालहट्टी जलप्रताप लगभग 100 फुट ऊंचा है। जो शहर से लगभग 13 किलोमीटर दूर है। इसलिए ऊटी जा रहे हैं तो इन प्रपातों को और आसपास के सुरम्य स्थलों को देखना भी न भूलें।

जलप्रपातों को देखते हुए आपको कालहट्टी-मसीनागुडी ढलानों पर वन्य प्राणियों की प्रजातियां भी देखने को मिल जाएंगी जिनमें पैंथर, सांभर और जंगली भैंसें शामिल हैं।

मुकरूथी

यह ऊटी से लगभग 36 किलोमीटर दूर हैं और यहां से आप रमणीक मुकरूथी शिखर को देख सकते हैं।

सिम्स पार्क

यह पार्क ऊपरी कुनूर में 12 हेक्टेयर से अधिक इलाके में फैला हुआ है और माना जाता है कि इस पार्क में 1 हजार से अधिक पौधों की प्रजातियां हैं, जिनमें अनेक चीड़, फर्न और झाड़ियां शामिल हैं।

डॉल्फिंस नोज

यहां आप अपना समय मौजमस्ती में बिता सकते हैं। खेलों में हिस्सा ले सकते हैं और सैरसपाटा कर सकते हैं। यहां आने का एक फायदा यह है कि वहां से आसपास के इलाकों का समग्र दृश्य देख सकते हैं। अगर दिन साफ हो, तो वहां से कैथरीन जलप्रपातों को भी देख सकते हैं।

कब जाएं

अप्रैल से जून और सितंबर से नवंबर तक।

मौसम

गर्मियों में अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस। सर्दियों में अधिकतम 21 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस।

कैसे जाएं

रेल मार्ग से

मेतूपलयम बड़ी लाइन का रेलवे स्टेशन है। बड़ी लाइन का प्रमुख रेल जंक्शन कोयंबटूर है, जो कि सभी बड़े नगरों से मिला हुआ है।

हवाई मार्ग से

यहां से सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोयंबटूर है, जो कि 100 किलोमीटर दूर है। आप चेन्नई, कोजीकोडे, बंगलोर और मुंबई से कोयंबटूर के लिए सीधी उड़ान भर सकते हैं।

स्थानीय वाहन

बसें, टैक्सी आदि उपलब्ध हैं।

कहां ठहरें

डेक्कन पार्क रिजॉर्ट, होटल वेलबैक रेजीडेंसी, होटल लेक व्यू, होटल ऊटी आदि।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरुद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

सीबीसी ने बीएनएस और सीएसएस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

जम्मू, 7 फ़रवरी (हि.स.)। केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) राजौरी द्वारा भारतीय न्याय संहिता-2023 (बीएनएस-23), एक भारत श्रेष्ठ भारत, मिशन लाइफ, वेव्स और अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बीएसएफ कैंपस राजौरी में किया गया। इस अवसर पर केवी राजौरी के प्रिंसिपल विक्रांत शर्मा ने कहा कि भारत सरकार की पहल पर इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए ताकि आम जनता, खासकर राजौरी जैसे दूरदराज के इलाकों में, इन योजनाओं के लाभों के बारे में जान सकें।

एसएचओ राजौरी आबिद हुसैन शाह ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक सुलभ, जवाबदेह, विश्वसनीय और न्याय-संचालित बनाने का एक प्रयास है। उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग, साइबर अपराध, साइबर साइबर धोखाधड़ी के दुष्प्रभावों के बारे में भी बात की और दर्शकों को ऑनलाइन सुविधाओं के जिम्मेदार उपयोग के बारे में आगाह किया। वन्य जीव संरक्षण विभाग के वन रेंज अधिकारी इफ्तिखार खान ने मिशन लाइफ के उद्देश्यों और उद्देश्यों के बारे में बात की और दर्शकों को राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम, राष्ट्रीय हरित भारत मिशन, वन अग्नि रोकथाम और प्रबंधन योजना, वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के तहत प्रतिपूरक वनीकरण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण, हरित भारत मिशन, हर गांव हरियाली आदि के बारे में जानकारी दी।

अंतर-ग्रामीण वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन

जम्मू, 7 फ़रवरी (हि.स.)। व्हाइट नाइट कोर के तत्वावधान में भारतीय सेना ने राजौरी के कोटली गांव में अंतर-ग्रामीण वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया है। 6 से 9 फरवरी तक चलने वाले चार दिवसीय टूर्नामेंट में 10 टीमें प्रतिष्ठित चैंपियन ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह चैंपियनशिप सिर्फ़ एक खेल आयोजन से कहीं ज़्यादा है। इसका उद्देश्य युवाओं को जोड़ना, भाईचारे को बढ़ावा देना और युवा एथलीटों को नकारात्मक प्रभावों से दूर रखते हुए उनमें खेल भावना पैदा करना है। यह पहल स्थानीय समुदायों के साथ सेना के मज़बूत बंधन को भी मज़बूत करती है इस टूर्नामेंट ने काफ़ी उत्साह पैदा किया है जिससे ग्रामीणों और खेल प्रेमियों की बड़ी भीड़ उमड़ी है। 9 फरवरी को होने वाले फ़ाइनल के साथ इस आयोजन में युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा, टीमवर्क और लचीलेपन को दिखाने वाले हाई-एनर्जी मैच होने की उम्मीद है। ऐसी पहलों के ज़रिए भारतीय सेना खेल को बढ़ावा देना, प्रतिभाओं को निखारना और क्षेत्र में सेना-नागरिक संबंधों को मज़बूत करना जारी रखती है।

बसोहली में विकास कार्यों की समीक्षा की, गुणवत्ता और समय पर क्रियान्वयन पर जोर

जम्मू, 7 फ़रवरी (हि.स.)। जिला विकास परिषद (डीडीसी) कठुआ के अध्यक्ष कर्नल महान सिंह (सेवानिवृत्त) ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना सहित चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए बसोहली ब्लॉक के प्लाही, बसोहली ग्रामीण और जंखेर पंचायतों का व्यापक दौरा किया। राजेश कुमार, बीडीओ बसोहली; कैप्टन हरनाम सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता; पोली देवी, सरपंच; राजिंदर सिंह, पूर्व सरपंच; केवल कुमार, सरपंच; और एईई पीएचई बसोहली सहित अन्य अधिकारियों के साथ, कर्नल महान सिंह ने विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया और गुणवत्ता निष्पादन, परियोजना के दायरे का पालन करने और समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने दौरे के दौरान डीडीसी अध्यक्ष ने प्लाही में सिलाई और कटाई केंद्र का निरीक्षण किया जहां 100 से अधिक महिलाएं सिलाई में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उल्लेखनीय रूप से फरीदाबाद स्थित शाई गारमेंट्स एक्सपोर्ट्स कंपनी में एक दर्जन से अधिक प्रशिक्षुओं को पहले ही प्लेसमेंट मिल चुका है जो महिला सशक्तीकरण और आजीविका सृजन में इस पहल की सफलता को रेखांकित करता है। कर्नल महान सिंह ने पथियारा में खेल स्टेडियम का भी दौरा किया और प्लाही, मंडला, रेहान और जंखेर में जेजेएम परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने बसोहली ग्रामीण पंचायत में कस्तूरबा गांधी विद्यालय (केजीवी) का निरीक्षण किया जहां उन्होंने बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का आकलन करते हुए छात्रों और कर्मचारियों से बातचीत की। वहीं छात्रों को संबोधित करते हुए कर्नल महान सिंह ने व्यक्तिगत विकास और राष्ट्रीय प्रगति के प्रमुख चालक के रूप में कौशल विकास के महत्व को रेखांकित किया।

सैनिक और मिलिट्री स्कूल के उम्मीदवारों के लिए कोचिंग आयोजित की

जम्मू, 7 फ़रवरी (हि.स.)। युवा प्रतिभाओं को निखारने और छात्रों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए भारतीय सेना ने राजौरी जिले के पाल्मा में सैनिक स्कूल और मिलिट्री स्कूल के उम्मीदवारों के लिए कोचिंग कक्षाएं शुरू की हैं। कुल 24 छात्रों ने सत्रों में भाग लिया जिसमें व्यक्तित्व विकास और साक्षात्कार कौशल के साथ-साथ गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस पहल का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों के छात्रों को प्रवेश परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और आत्मविश्वास से लैस करना है। अभिभावकों और छात्रों ने इस प्रयास का गर्मजोशी से स्वागत किया है और भविष्य के कैडेटों को आकार देने में सेना की भूमिका की सराहना की है।

ग्राम प्रतिनिधियों के साथ चाय पर चर्चा का आयोजन किया

जम्मू, 7 फ़रवरी (हि.स.)। स्थानीय समुदायों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करते हुए भारतीय सेना ने लाम पंचायत घर में सरपंचों, पंचों और ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक विकास सहित महत्वपूर्ण स्थानीय मुद्दों पर खुली चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया। बैठक में कुल छह सरपंच और 24 पंच शामिल हुए जिन्होंने ग्राम कल्याण और शासन में सुधार पर रचनात्मक बातचीत में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस पहल ने सामुदायिक विकास और सुरक्षा के लिए सेना की प्रतिबद्धता को मजबूत किया जिससे स्थानीय आबादी के साथ मजबूत संबंध विकसित हुए।

जरूरतमंदों को गर्म कपड़े वितरित

अमीर इकबाल खान

भद्रवाह, 07 फरवरी। समाज के वंचित वर्ग की सेवा के अपने मिशन के तहत, द सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया (TSWOOI) द्वारा एक सामुदायिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शुक्रवार को अतिरिक्त जिला भद्रवाह की सरना पंचायत के मलसू गांव में जरूरतमंद लोगों को ऊनी कपड़े, जैसे स्वेटर, पतलून, पैंट, शर्ट, जैकेट आदि के अलावा फलों का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम संगठन के जम्मू-कश्मीर के उपाध्यक्ष ज़फर हुसैन वानी की देखरेख में आयोजित किया गया। उनके साथ जिला अध्यक्ष शाहिद हुसैन मलिक, जिला उपाध्यक्ष साकिब बट, और सक्रिय स्वयंसेवक मूल राज मिशर, उमर टाक, मोहम्मद यूसुफ राथर सहित क्षेत्र के अन्य प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर वानी ने कहा कि गरीब और जरूरतमंदों को सर्दियों के कपड़े प्रदान करने की यह पहल टीएसडब्ल्यूओओआई द्वारा चलाए जा रहे अन्य कल्याणकारी

कार्यों से जुड़ी हुई है, जो मानवीय मूल्यों को पुनर्जीवित कर समाज के उत्थान के लिए मार्गदर्शक शक्ति के रूप में कार्य करती है। उन्होंने टीएसडब्ल्यूओओआई के सदस्यों से अपील की कि वे समाज के वंचित वर्गों के लिए अपनी मानवीय सेवाओं को जारी रखें हमारी संस्था स्थापना के समय से ही गरीबों के कल्याण के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही है। हम अपने इस मिशन को भविष्य में भी जारी रखेंगे, जो वास्तव में हमारे संगठन के घोषणापत्र के अनुरूप भी है

प्रशासन पर सौर पैनल पंजीकरण के लिए दबाव का आरोप लगाया

जम्मू, 7 फ़रवरी (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और चेनाब वैली जोन के प्रवक्ता अजीत भगत ने प्रशासन पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। नेता ने दावा किया है कि प्रशासन ने किश्तवाड़, डोडा और रामबन जिलों में सभी सरकारी कर्मचारियों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्ती बिजली योजना के लिए पंजीकरण करने का निर्देश दिया है। छत पर सौर ऊर्जा संयंत्रों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र द्वारा प्रायोजित इस योजना को जम्मू और कश्मीर में कथित तौर पर खराब प्रतिक्रिया मिली है। तीनों जिलों के उपायुक्तों द्वारा 22 जनवरी को जारी एक परिपत्र ने इस योजना में कम सार्वजनिक भागीदारी को उजागर किया, जिसे पिछले साल 29 फरवरी को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। निर्देश में सरकारी कर्मचारियों को 15 दिनों के भीतर चरणों में पंजीकरण करने और 31 मार्च 5 तक निर्दिष्ट स्थानों पर छत पर सौर पैनल स्थापित करने को सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है।

नानक नगर में 70 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य की शुरुआत की

जम्मू, 7 फ़रवरी (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता और बाहु विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम रंधावा ने आज नानक नगर के वार्ड नंबर 43 के सेक्टर-9 में गली और नाली निर्माण कार्य की शुरुआत की। 70 लाख रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य खराब जल निकासी और क्षतिग्रस्त गलियों के कारण समस्याओं का सामना कर रहे निवासियों को बहुत जरूरी राहत प्रदान करना है।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक रंधावा ने शहरी बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और निर्वाचन क्षेत्र के मुख्य नागरिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार हर इलाके में आधुनिक और सुनियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा विकास केवल सड़कों और नालियों के बारे में नहीं है; यह लोगों के लिए बेहतर जीवन स्तर बनाने के बारे में है। हमारा ध्यान स्थायी शहरी बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करने पर है जो बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करता है और जीवन स्तर को बढ़ाता है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने जनता को आश्वासन दिया कि बाहु विधानसभा क्षेत्र में चल रही और आगामी सभी परियोजनाओं को उच्च निर्माण मानकों को बनाए रखते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। उन्होंने विकास पहलों में जन भागीदारी के महत्व पर भी जोर दिया, निवासियों से चल रहे विकास कार्यों की निगरानी करने और अपने इलाकों को साफ और सुव्यवस्थित रखने में योगदान देने का आग्रह किया।

मोदी सरकार कर रही किसानों को सशक्त : डॉ. मन्याल

रामगढ़, 7 फरवरी (हि.स.)। कृषि उत्पादन एवं किसान कल्याण विभाग ने शुक्रवार को पंचायत त्रिडियां, रामगढ़ में एक सफल किसान गोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में किसानों, कृषि विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया और कृषि क्षेत्र में नवीनतम प्रगति एवं किसानों के लिए उपलब्ध कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की। इस अवसर के मुख्य अतिथि रामगढ़ के विधायक एवं पूर्व स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री जम्मू-कश्मीर डॉ. देविंदर कुमार मन्याल ने किसानों को संबोधित करते हुए कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने किसानों, सरकारी एजेंसियों और कृषि विशेषज्ञों के बीच सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र की कृषि समुदाय की समृद्धि और सतत विकास सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसानों को सशक्त कर रही है। इस दौरान एसडीएओ नरेश रैना ने किसानों को विभिन्न कृषि योजनाओं और पहल की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अपने सत्र में उन प्रमुख कार्यक्रमों को उजागर किया जो किसानों की खेती की तकनीकों में सुधार, उत्पादकता बढ़ाने और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

'नेशनल कांफ्रेंस वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा करने तथा सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध'

जम्मू, 7 फरवरी (हि.स.)। वंचित वर्गों के उत्थान के लिए नेशनल कांफ्रेंस की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष एडवोकेट रतन लाल गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कांफ्रेंस सरकार वंचित वर्गों के अधिकारों की पूरी तरह रक्षा करेगी तथा सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेगी। वे जम्मू के शेर-ए-कश्मीर भवन में पार्टी के एससी सेल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का नेतृत्व एससी सेल के अध्यक्ष विजय लोचन ने किया। रतन लाल गुप्ता ने सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण के लिए नेशनल कांफ्रेंस की ऐतिहासिक पहलों विशेष रूप से शेख मोहम्मद अब्दुल्ला द्वारा शुरू किए गए क्रांतिकारी 'लैंड टू टिलर' अधिनियम पर प्रकाश डाला जिसने भूमिहीनों को भूमि का स्वामित्व प्रदान किया, हजारों गरीब किसानों का उत्थान किया तथा उनकी गरिमा सुनिश्चित की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह एनसी सरकार ही थी जिसने एससी वित्तीय निगम और एससी बीसी विकास बोर्ड जैसी संस्थाओं की स्थापना की जिसका उद्देश्य कमजोर वर्गों का आर्थिक सशक्तिकरण करना था। वंचितों की दुर्दशा पर दुख जताते हुए वरिष्ठ एनसी नेता ने कहा कि बेरोजगारी बढ़ रही है और कमजोर वर्गों को व्यवस्थित रूप से नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अपने लगभग दस साल के शासन के दौरान दलित वर्गों के उत्थान के लिए कुछ नहीं करने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की।

कैंपस टू कॉरपोरेट पावर सेमिनार का आयोजन

जम्मू, 7 फ़रवरी (हि.स.)। डोगरा डिग्री कॉलेज ने आईसीटी अकादमी के सहयोग से अपने ऑडिटोरियम में कैंपस टू कॉरपोरेट पावर सेमिनार का आयोजन किया जिसमें शिक्षाविदों और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस कार्यक्रम में ग्लोबल ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एच.आर. रहमान सहित कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपनी प्रेरणादायी यात्रा साझा की और इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट प्रबंधन पर बात की।

साइबॉर्ग नेटवर्क कम्युनिकेशन के एमडी सुनील शर्मा ने कर्मचारी से उद्यमी बनने के अपने सफर पर चर्चा की और 28 फरवरी को अपनी आगामी फिल्म शैला की रिलीज की घोषणा की।

उपायुक्त ने जिला पुंछ में गति शक्ति संचार नेटवर्क के कार्यान्वयन की समीक्षा की

पुंछ 07 फरवरी (हि.स.)। उपायुक्त पुंछ विकास कुंडल ने जिले में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए राइट ऑफ वे अनुमोदन को केंद्रीकृत करने के उद्देश्य से गति संचार पोर्टल नेटवर्क प्रणाली के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए डीसी कार्यालय परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक में एसीडी, एसीपी, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी, डीआईओ एनआईसी, एसडीओ बीएसएनएल और राजस्व विभाग के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान उपायुक्त कुंडल ने विभिन्न कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचे की पहल की प्रगति पर व्यापक अपडेट मांगा। उन्होंने वन स्थल की स्थिति, भूमि अधिग्रहण की प्रगति और यूएसओएफ 4जी संतृप्ति परियोजना के लिए सिविल कार्य की स्थिति, भारतनेट वीएसएटी जीपी स्थिति, संशोधित भारतनेट कार्यक्रम, आरओडब्ल्यू अनुप्रयोगों की स्थिति, मोबाइल टावरों के लिए बिजली कनेक्शन और अन्य संबंधित मुद्दों के बारे में पूछताछ की। विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर बुनियादी ढांचे की कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर देते हुए डीसी कुंडल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जिले के समग्र विकास के लिए बढ़ी हुई कनेक्टिविटी आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागों से अपने प्रयासों में तेजी लाने और इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी ढंग से सहयोग करने का आग्रह किया। गतिशक्ति संचार पहल का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों के बीच कुशल परियोजना अनुमोदन और समन्वय सुनिश्चित करके बुनियादी ढांचे के विकास को सुव्यवस्थित और बढ़ाना है। उपायुक्त ने स्थानीय आबादी को लाभ पहुंचाने और सेवाओं और अवसरों तक पहुंच में सुधार हेतु समय पर निष्पादन के महत्व को दोहराया।

सार्वजनिक सूचना

मैं, सेवा क्रमांक JC-502829 II, रैंक NB सब, नाम हरमीत सिंह पुत्र कुलबीर सिंह, वर्तमान में विलेज-हक्कल, वार्ड क्रमांक 5, पोस्ट-सतवारी, तह-जम्मू, जिला-जम्मू, जम्मू और कश्मीर-180003 में रहता हूँ, वर्तमान में यूनिट 7 सिख रेजिमेंट 274/टी कैंप, खानपुर C/O 56APO, नई दिल्ली-110062 में सेवारत हूँ, मेरी बेटी का नाम जो मेरे सेवा अभिलेखों में जपनीत कौर (सही नाम) के बजाय जपनीत कोर के रूप में दर्ज किया गया है, के सुधार के लिए आवेदन कर रहा हूँ। यदि कोई आपत्ति है, तो उसे 7 दिनों के भीतर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा सकता है।

सार्वजनिक सूचना

मैं, सेवा क्रमांक JC-502829 II, रैंक NB सब, नाम हरमीत सिंह पुत्र कुलबीर सिंह, वर्तमान में विलेज-हक्कल, वार्ड क्रमांक 5, पोस्ट ऑफिस-सतवारी, तह-जम्मू, जिला-जम्मू, जम्मू और कश्मीर-180003 में रहता हूँ, वर्तमान में यूनिट 7 सिख रेजिमेंट 274/टी कैंप, खानपुर C/O 56APO, नई दिल्ली-110062 में सेवारत हूँ, मेरी पत्नी का नाम जो मेरे सेवा अभिलेखों में अमनप्रीत कौर (सही नाम) के बजाय अमनप्रीत कोर के रूप में दर्ज किया गया है, के सुधार के लिए आवेदन कर रहा हूँ। यदि कोई आपत्ति हो, तो उसे 7 दिनों के भीतर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा सकता है।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
Office of the Executive Engineer, Mech. & Hospitals Division Udhampur
Email:xenmdudh@gmail.com

Extension - I
(Tender ID: 2025_PWDJK_270682_1)

Due to inadequate response, e-NIT No: MHDU/TS/2024-25/ 96 Dated: 20/01/2025 Due on: 05/02/2025 for Installation of Pre-Fabricated Kiosks with allied works at Katra is hereby extended upto 13.02.2025. All other terms and conditions shall remain same.
No: MHDU/TS/3507
Dated:- 05-02-2025

-sd-
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Udhampur

DIP/J-9911/24
Dtd: 6-2-2025

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
JAL SHAKTI (I&FC) DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER IRRIGATION DIVISION KATHUA
NOTICE INVITING e- TENDER

e-NIT No: 13 of 02/ 2024-25

For and on behalf of Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir, e- Bids are invited by the Executive Engineer Irrigation Division Kathua, by e-tendering mode on Percentage Basis from approved and eligible contractors registered with J&K State Govt./ CPWD/ MES and Railways for the following works.

S. No.	Name of work	Name of Division	Estimated Cost (In Rs.)	Cost of document (In Rs.)	EMD	Time allowed for completion	Time and date of opening of tender/ Technical Bid	Class of Contractor	Head of Account
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	Construction of pacca section at Dadwara LIS near the house of Sh. Pritam Chand.	ID Kathua	272000.00	200.00	2% of the tender cost	30 days	14-02-2025 (1200 Hrs)	"ABCD"	2702- M&R

NOTE: Contractors who have got Contractor card issued from Kashmir Province, it is mandatory for them to upload their verification certificate of Crime Branch alongwith other qualifying documents failing which their tenders shall be declared as rejected in the Technical bid.

Position of AAA : Accorded
Position of T.S : Under process
Position of Funds : Budgeted

1. ImportantDates:-
i) Date of Publishing from 05-02-2025
ii) Down loading from 05-02-2025 (1800Hrs.).
iii)\ Uploading from 05-02-2025 (1800Hrs.).
iv) Uploading stops on 13-02-2025 (1800 Hrs.)
v) Tender opens on 14-02-2025 (1200 Hrs. -Subjective).

1. The bidding documents can be downloaded from the website http://jktenders.gov.in w.e.f. 05-02-2025 from 1800 hours onwards.
2. The bids shall be uploaded/ submitted in electronic format on the website http://jktenders.gov.in from 05-02-2025 (1800 Hours).
3. The complete bidding process will be online.

No:-IDK/ 5648-88 Dated: 05-02-2025

For & on behalf Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir
Sd/-
Executive Engineer
Irrigation Division Kathua

DIP/J-9931/24
Dtd: 7-2-2025

सांस्कृतिक मूल्यों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास पर लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

जम्मू, 7 फ़रवरी (हि.स.)। राजकीय महिला डिग्री कॉलेज, कठुआ में शिक्षा, संगीत और हिंदी विभागों ने शुक्रवार को एक लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका विषय था - सांस्कृतिक मूल्यों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यक्ति के चरित्र को आकार देने और समग्र विकास को बढ़ावा देने में सांस्कृतिक विरासत की भूमिका पर जोर देना था। इस अवसर पर कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सवी बहल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रचना के स्वागत भाषण से हुई जिन्होंने शिक्षा में सांस्कृतिक शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध गायिका डॉ. विभा भारती और संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेखा द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण संगीतमय प्रस्तुतियां थीं, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से दर्शाया गया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. सावी बहल ने इस पहल की सराहना की और व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा संस्कृति हमारी पहचान का आधार है। यह हमारी परंपराओं को समृद्ध करती है और हमारे व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संपादकीय

प्रामाणिकता को बढ़ाता जीआई टैग

चेन्नई के भौगोलिक रजिस्ट्री द्वारा कश्मीर हाथ से बुने हुए कालीन को भौगोलिक संकेत (जीआई) प्रक्रियाओं के तहत एक नया लोगो प्रदान करना इस प्रतिष्ठित हस्तकला की प्रामाणिकता की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि इसका मूल्य और विरासत बरकरार रहे।

जीआई टैगिंग बौद्धिक संपदा का एक रूप है जो किसी उत्पाद को उसके भौगोलिक मूल से जोड़ता है, इसकी गुणवत्ता और पारंपरिक विनिर्माण प्रक्रियाओं की गारंटी देता है। कश्मीर कालीनों के मामले में, यह जीआई लोगो प्रामाणिक, हस्तनिर्मित कालीनों को नकली और बड़े पैमाने पर उत्पादित संस्करणों से अलग करेगा।

निश्चित रूप से, नया लोगो हाथ से बुने हुए कश्मीर कालीन की विशिष्टता की रक्षा करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा, जबकि खरीदारों की आकांक्षाएं भी इस भावना से तृप्त होंगी कि उन्होंने प्रामाणिक उत्पाद खरीदा है और व्यापारिक कदाचार की संभावना लगभग नगण्य हो गई है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बेईमान तत्व अक्सर ग्राहकों को ठगने के लिए ऐसे कालीनों की मशीन से बनी नकलें बेचते हैं। नए लोगो के आने से गलत काम करने वालों को ग्राहकों को धोखा देने और कश्मीर का नाम खराब करने तथा इस तरह की गलत प्रथाओं के जाल में फंसे लोगों को बुरा समय देने का सीमित मौका मिलेगा। कालीन बनाने की परंपरा हजारों साल पुरानी है क्योंकि कई पीढ़ियां इन हस्तशिल्पों को बुनती आ रही हैं, इसलिए जीआई टैगिंग से कारीगरों को न्याय दिलाने के लिए कानूनी संरक्षण का उद्देश्य पूरा होने की संभावना है, जिन्होंने इस व्यवसाय को जारी रखने के लिए अपना जीवन लगा दिया है। यह सुनिश्चित करता है कि केवल कश्मीर घाटी में पारंपरिक तकनीकों और सामग्रियों का उपयोग करके उत्पादित कालीन ही जीआई लोगो लगा सकते हैं। यह मशीन से बने या नकली कालीनों द्वारा शिल्प को कमजोर होने से रोकता है जो दिखने में तो असली कालीन की नकल करते हैं लेकिन उनमें मूल कालीन की कलात्मकता और गुणवत्ता का अभाव होता है। जीआई टैग वाले उत्पादों के साथ, ग्राहक भरोसा कर सकते हैं कि उत्पाद असली हैं और पारंपरिक तरीकों से तैयार किए गए हैं, जो बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं। यह बढ़ी हुई पारदर्शिता और विश्वास एक वफादार ग्राहक आधार बनाने में मदद करता है जो व्यापार में प्रामाणिकता और निष्पक्षता को महत्व देता है। यह ग्राहकों को उन उत्पादों से गुमराह होने से भी बचाता है जो हाथ से बने कश्मीरी कालीन होने का झूठा दावा करते हैं। यह तकनीक यह भी सुनिश्चित करती है कि असली कारीगरों को उनका हक मिले और धोखेबाजों को व्यापार के अनुचित तरीकों से पैसे हड़पने का मौका न मिले।

कुल मिलाकर, जीआई टैगिंग की प्रक्रिया सदियों पुराने शिल्प को संरक्षित करने, उपभोक्ताओं को भ्रामक प्रथाओं से बचाने और कारीगरों की आर्थिक भलाई को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण उपकरण है। यह कदम न केवल स्थानीय कारीगरों को लाभान्वित करता है बल्कि वैश्विक उपभोक्ताओं को सूचित और नैतिक खरीदारी करने में भी सहायता करता है।

ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा भारत का निर्यात

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

निर्यात में वृद्धि भारत जैसे देश को आवश्यक विदेशी मुद्रा उत्पन्न कर, विनिर्माण को बढ़ाकर, रोजगार के अवसर पैदा कर, मुद्रा को स्थिर कर और बेहतर वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता तथा अतिरिक्त निवेशों के आकर्षण के माध्यम से समग्र आर्थिक जीवन शक्ति को बढ़ाकर काफी हद तक सहायता करती है। तेल और सोने का आयात बहुत अधिक है, जिससे भारत की मुद्रा पर दबाव पड़ता है। मोदी सरकार आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए कई पहल कर रही है, जबकि स्वदेशी रूप से डिजाइन या भारत में निर्मित वस्तुओं के निर्यात को बढ़ा रही है, ताकि नीचे सूचीबद्ध लाभों को प्राप्त किया जा सके।

विदेश में वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से विदेशी मुद्रा उत्पन्न होती है, जिसका उपयोग आयात, ऋण चुकौती और स्थिर विनिमय दर बनाए रखने के लिए किया जाता है। निर्यात मांग में वृद्धि से उत्पादन बढ़ता है, देश में विनिर्माण उद्योगों और बुनियादी ढांचे का विस्तार होता है।

निर्यात मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन में वृद्धि से विनिर्माण, रसद और निर्यात सेवाओं जैसे उद्योगों में रोजगार सृजन होता है।

उत्पादों की श्रृंखला का निर्यात अर्थव्यवस्था में विविधता ला सकता है और एक ही उद्योग या बाजार पर निर्भरता कम कर सकता है। वैश्विक बाज़ारों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए निगमों को अपनी तकनीक को लगातार विकसित और उन्नत करना चाहिए, जिससे समग्र रूप से अर्थव्यवस्था को लाभ हो सकता है। उच्च निर्यात मूल्य आयात लागतों की भरपाई कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप व्यापार घाटा कम होता है और व्यापार संतुलन में सुधार होता है। मजबूत निर्यात प्रदर्शन किसी देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाता है और अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करता है।

भारत के निर्यात में ऐतिहासिक वृद्धि देखी गई है, जो 2023-24 में 778.21 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है। यह 2013-14 में 466.22 बिलियन अमरीकी डॉलर से 67त्न की वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि वैश्विक वाणिज्य में भारत की बढ़ती स्थिति को रेखांकित करती है, जो माल और सेवा निर्यात दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रेरित है। 2023-24 में माल निर्यात 437.10 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जिसमें सेवा निर्यात का योगदान 341.11 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जो एक संतुलित वृद्धि का संकेत देता है। यह उछाल इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग सामान, लौह अयस्क और कपड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों द्वारा संचालित था। भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को जानबूझकर किए गए नीतिगत उपायों, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता और विस्तारित बाजार पहुंच से मजबूत किया गया है और यह अब अधिक लचीला और वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह गति वित्त वर्ष 2024-25 में भी जारी रहेगी, जिसमें अप्रैल से दिसंबर 2024 तक संचयी निर्यात 602.64 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है, जो 2023 की इसी अवधि के 568.36 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 6.03त्न अधिक है। भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को जानबूझकर किए गए नीतिगत उपायों, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा और विस्तारित बाजार पहुंच से मजबूत किया गया है और यह अब अधिक लचीला है और वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है।

मजबूत विनिर्माण आधार और बढ़ती वैश्विक मांग के कारण, व्यापारिक निर्यात 2013-14 में 314 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 437.10 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। आईटी, वित्तीय और व्यावसायिक सेवाओं के विकास से प्रेरित होकर सेवा निर्यात 2013-14 में 152 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 341.11 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।

पिछले कुछ वर्षों में शीर्ष निर्यात क्षेत्र

2004-05 में भारत का निर्यात मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका, यूरोपीय संघ, उत्तर-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया-खाड़ी सहयोग परिषद और आसियान की ओर उन्मुख था। 2013-14 तक, इन क्षेत्रों में निर्यात मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी, जिसमें उत्तरी अमेरिका, यूरोपीय संघ और पश्चिम एशिया ने उल्लेखनीय विकास दिखाया था। 2023-24 तक तेजी से आगे बढ़ते हुए, निर्यात वातावरण का विस्तार जारी है, जिसमें उत्तरी अमेरिका शीर्ष गंतव्य है। यूरोपीय संघ, पश्चिम एशिया और आसियान सभी ने मजबूत वृद्धि का उपयोग लिया, जो समय के साथ भारत के विविध और मजबूत वैश्विक व्यापार संबंधों को दर्शाता है।

मोबाइल फोन शिपमेंट 2014-15 में 0.2 बिलियन से बढ़कर 2023-24 में 15.6 बिलियन हो गया। घरेलू मोबाइल फोन उत्पादन 2014-15 में 5.8 करोड़ यूनिट से बढ़कर 2023-24 में 33 करोड़ यूनिट हो गया, जबकि आयात में नाटकीय रूप से गिरावट आई।

फार्मास्युटिकल निर्यात में वृद्धि- भारत, जो वैश्विक दवा और फार्मास्युटिकल उत्पादन में मात्रा के हिसाब से तीसरे स्थान पर है, उसने अपने फार्मास्युटिकल निर्यात को 2013-14 में 15.07 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 27.85 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ते देखा।

इंजीनियरिंग सामान निर्यात- इंजीनियरिंग सामान निर्यात वित्त वर्ष 2013-14 में 62.26 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 109.32 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।

कृषि निर्यात वृद्धि- भारत का कृषि निर्यात 2013-14 में 22.70 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 तक 48.15 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगा।

अनुपालन और गैर-अपराधीकरण सुधारों में 42,000 से अधिक अनुपालनों को समाप्त करना और कंपनी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए 3,800 नियमों को गैर-अपराधीकरण करना शामिल है। राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (हृस्ङ्ख्स्) उद्यमों को 277 केंद्रीय अनुमोदनों के लिए आवेदन करने की अनुमति देकर मंजूरी को सुव्यवस्थित करती है।

ट्रेड कनेक्ट ई-प्लेटफ़ॉर्म- 6 लाख से अधिक द्धश्वष्ट धारकों को निर्बाध व्यापार सुविधा के लिए भारतीय मिशनों और निर्यात परिषदों से जोड़ता है। एमएसएमई निर्यातकों के लिए उन्नत बीमा कवरेज 10,000 एमएसएमई निर्यातकों को कम लागत वाले ऋण में 20,000 करोड़ की पेशकश करता है।

ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट हब (श्वष्श्व॥) का लक्ष्य 2030 तक ई-कॉमर्स निर्यात को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाना है, जिससे एसएमई और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ा जा सके। द्धष्श्वन्नश्व डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ई-फाइलिंग, रीयल-टाइम ट्रैकिंग और निर्बाध दस्तावेज़ीकरण को सक्षम करके सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाता है।

राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) से 20 लाख किसानों को सहायता मिलने की उम्मीद है तथा अनुमान है कि 2025-26 तक जैविक निर्यात 1 बिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा।

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) और पीएम गतिशक्ति का उद्देश्य जीआईएस-आधारित योजना के माध्यम से मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में सुधार करते हुए लॉजिस्टिक्स लागत में कटौती करना है।

उत्पादन-लिंक प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएँ- 1.97 लाख करोड़ की लागत वाली परियोजनाओं का उद्देश्य 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देकर निर्यात को बढ़ावा देना है। अक्टूबर 2024 तक 1.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश दर्ज किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 13 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन/बिक्री हुई है और लगभग 10 लाख नौकरियाँ (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से) सृजित हुई हैं। निर्यात में 4.5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

2030 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत की रणनीति बहुआयामी दृष्टिकोण पर निर्भर करती है जिसमें सरकारी नीतिगत उपाय, बुनियादी ढाँचा विकास और इन निर्यातों को बढ़ावा देनेवाले प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। भारत की निर्यात उपलब्धियाँ इसकी बढ़ती विनिर्माण क्षमताओं, रणनीतिक पहलों और नवाचार के प्रति समर्पण का प्रतिबिंब हैं। वस्तुओं और सेवाओं दोनों में निर्यात नई ऊंचाइयों पर पहुँचने के साथ देश ने वैश्विक व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग सामान और कृषि जैसे उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों का उदय, ई-कॉमर्स और डिजिटल व्यापार में प्रगति के साथ भारत के दुनियाभर में बढ़ते प्रभाव को प्रदर्शित करता है। भारत की निर्यात यात्रा देश की बढ़ती आर्थिक ताकत को प्रदर्शित करती है। नई विदेश व्यापार नीति, पीएलआई योजनाएँ और कई अन्य जैसे सरकार के दूरदर्शी उपाय भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे-जैसे भारत अपने निर्यात पोर्टफोलियो में विविधता ला रहा है और दुनियाभर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है, वह 2047 तक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने के अपने लक्ष्य तक पहुंचने की राह पर है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कोटा से मिटाने होंगे आत्महत्याओं के दाग

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान का कोटा शहर जितना शैक्षणिक संस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है, उतना ही अब यहां के कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्या के कारण देशभर में बदनाम हो रहा है। हालांकि कोटा में छात्र आत्महत्याओं के मामले यहां पर कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या की तुलना में बहुत कम है। मगर यहां पढ़ने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्याओं की दुखद घटनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। पिछले जनवरी माह में ही कोटा में 6 विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। इसी साल 8 जनवरी को हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी छात्र नीरज, 9 जनवरी को गुना मध्य प्रदेश के अभिषेक लोधा, 15 जनवरी को उड़ीसा के अभिजीत गिरी, 18 जनवरी को बूंदी जिले के मनन जैन, 22 जनवरी को अहमदाबाद गुजरात की अफ्शा शेख और 22 जनवरी को ही नौगांव असम के छात्र पराग ने आत्महत्या कर ली थी। इनमें से पांच छात्र इंजीनियरिंग की व एक छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। कोटा में 2015 से लेकर अब तक 138 छात्रों ने आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं। यहां 2015 में 18, 2016 में 17, 2017 में 7, 2018 में 20, 2019 में 18, 2020 में 4, 2021 में एक, 2022 में 15, 2023 में 26, 2024 में 16 व 2025 में अब तक छह छात्र आत्महत्या कर अपनी जान गंवा चुके हैं। 2020 व 2021 में कोविड के चलते यहां के कोचिंग संस्थाओं के बंद रहने के कारण आत्महत्याओं के आंकड़ों में गिरावट रही थी। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रुक पा रही है।

कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था मगर श्रमिक आंदोलनों के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक-चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े-बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है।

यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से ऊपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ से दस हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 800 करोड़ रुपये से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है।

कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाला मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानो में कई शिफ्टों में अलग-अलग बैच में पढ़ाई होती हैं। कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन-रात पढ़ाई करते रहते हैं। जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। इससे कई छात्र पढ़ाई में पिछड़ने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं।

कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे-मोटे 300 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढ़ने वाले छात्र बड़ी-बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं।

माइनिंग सेक्टर में राजस्थान की लंबी छलांग सरकारी इच्छाशक्ति का नतीजा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

माइनिंग सेक्टर के महत्व को रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में अमेरिका की हालिया नीति के चलते आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका की यूक्रेन की खनिज संपदा पर नजर है और वह चाहता है कि यूक्रेन को सहयोग करने के बदले में यूक्रेन की खनिज संपदा के दोहन का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अधिकार अमेरिका को मिल जाए। यही हालत दुनिया के दूसरे देशों की है। आज चीन की मनमानी से सभी देश गले तक भर आये हैं, वहीं दुनिया के देश खनिज संपदा भण्डारों की खोज व खनन के विकल्प ढूंढ़ने लगे हैं। यही कारण है कि पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है।

हमारे देश में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है। 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माइंस की नीलामी को अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में सरकारों की इच्छाशक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजा उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान विभाग है। अवैध खनन गतिविधियों के लिए कुख्यात माइनिंग सेक्टर को राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार ने नई पहचान देने का कारगर प्रयास करके दिखाया है। केवल एक साल की समयावधि में माइनिंग सेक्टर में राजस्थान समूचे देश में लंबी छलांग लगा रहा है। दिसंबर, 24 में सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में दो दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। पहला, अवैध खनन पर कारगर ढंग से अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया तो दूसरी और सरकार ने साफ संदेश दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमैप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमलीजामा पहुंचायें।

सरकार की मंशा के अनुसार विभागीय अमला जुट गया और नई सरकार बनने के तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों का भारत सरकार के पोर्टल पर ई-नीलामी की गई तो एक साल से कुछ ही अधिक समय में नई सरकार बनने के बाद इस साल जनवरी तक 15 ब्लॉकों सहित कुल 48 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर रिकॉर्ड बना दिया। राज्य सरकार की उपलब्धि को केन्द्र सरकार ने भी सराहा और इसी वर्ष 20 जनवरी को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल मांइस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर राज्य के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। जिस तरह के आंकड़े भारत सरकार के पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं उससे साफ है कि वर्ष 2024-25 में भी राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी में समूचे देश में शीर्ष पर रहेगा।

देश-दुनिया में माइनिंग सेक्टर की जो इमेज रही है उसे देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खान विभाग की जिम्मेदारी अपने पास रखी और पिछले एक साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज की खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं। 2017 में केन्द्र सरकार ने तय किया कि देश में सभी जगह माइनिंग मिनरल्स खुले ऑक्शन के माध्यम से ही दिए जाएंगे। इससे बहुत हद तक माइनिंग मिनरल्स की बंदरबांट पर रोक लगी। केन्द्र सरकार ने मेजर मिनरल्स के ऑक्शन की स्वयं के स्तर पर भी मॉनिटरिंग आरंभ कर व्यवस्था को पारदर्शी और खनिज प्रधान प्रमुख राज्यों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा की राह प्रशस्त की है। इसे देश के खनिज क्षेत्र का अग्रणी कदम माना जा सकता है।

राजस्थान खनिज की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश है। राज्य में उपलब्ध 82 प्रकार के खनिजों में से राज्य में 57 खनिजों का व्यावसायिक स्तर पर खनन किया जा रहा है, जिससे वर्तमान में लगभग 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार ने एक बात साफ समझी है कि बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन पर अंकुश लगाने का सबसे कारगर तरीका खनिज क्षेत्रों के ब्लॉक या प्लॉट तैयार कर इन्हें पारदर्शी से तरीके से ई पोर्टल के माध्यम से नीलाम किया जाए। इससे अवैध खनन के एक कारण पर तो रोक लग ही सकती है क्योंकि खानधारक अपने क्षेत्र में दूसरे को अवैध खनन गतिविधि नहीं चलाने देगा। इससे बहुत हद तक बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन को रोका जा सकता है। वैध खननधारक की अवैध खनन गतिविधियों पर नजर रखने के लिए राज्य सरकार ड्रोन से एसेसमेंट अनिवार्य करने जा रही है। इसी तरह के अन्य सुधारात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। ऐसे में राजस्थान ही नहीं देश के खनिज प्रधान अन्य राज्यों की सरकारों को भी सख्त कदम उठाने होंगे ताकि देश की खनिज संपदा के अवैध खनन से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। इसके साथ ही वैध खनन और सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर देकर खनिज संपदा का बेहतर दोहन हो सके।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के शानदार रंगारंग प्रस्तुति के साथ आगाज हुआ लीजेंड 90 क्रिकेट लीग

एजेंसी

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर के परसदा स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में देर रात को लेजेंड 90 क्रिकेट लीग का आगाज हो चुका है। मैच से पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने डांस व म्यूजिकल ग्रुप के साथ शानदार रंगारंग प्रस्तुति दी। स्टेडियम को दूधिया रोशनी से जगमगाते देख दर्शक काफी उत्साहित दिखे। उद्घाटन मैच में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स टीम ने दिल्ली रॉयल्स टीम को 5 विकेट से हराया।उद्घाटन मैच में सिने तारिका उर्वशी रौतेला शामिल हुई और शानदार परफॉर्मेंस दी जिसे देख दर्शक काफी उत्साहित दिखे । स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने अभिनेत्री के जलवा देखकर खुशी और आनंद से भरपूर दिखाई पड़े। वहीं स्टेडियम में सुरक्षा के काफी उम्दा इंतजाम किए गए थे। टूर्नामेंट की शुरुआत में उद्घाटन मैच दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के बीच खेला गया, 15 ओवर के मैच में छत्तीसगढ़ ने 5 विकेट से जीत हासिल की। इस मैच में पवन नेगी और गुरुकिरत सिंग मान ने अर्द्धशतकीय पारी खेली। शिखर धवन की कप्तानी में दिल्ली रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 7 विकेट पर 172 रन बनाए। इसमें दनिस्का गुणाथिलिका ने 33 गेंद में सर्वाधिक 73 रन और रोस टेलर ने नाबाद 39 रनों की पारी खेली।

संयुक्त सचिव के चुनाव के लिए बीसीसीआई ने 1 मार्च को बुलाई विशेष आम बैठक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नए संयुक्त सचिव के चुनाव के लिए एक विशेष आम बैठक (एसजीएम) बुलाई है। एसजीएम एक मार्च को मुंबई में होगी। पिछले महीने जय शाह की जगह देवजीत सैकिया के बीसीसीआई सचिव चुने जाने के बाद से संयुक्त सचिव का पद खाली है। बीसीसीआई संविधान के अनुसार, पद को 45 दिनों के भीतर भरना होगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, सचिव सैकिया की ओर से, बीसीसीआई स्टाफ सदस्य ने गुरुवार (6 फरवरी) शाम को एकल-आइटम एजेंडे के साथ राज्य संघों को एसजीएम नोटिस भेजा। नोटिस में कहा गया है कि चुनाव दोपहर 12 बजे मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में होगा। आम तौर पर एसजीएम बुलाने के लिए 21 दिन के नोटिस की आवश्यकता होती है और बीसीसीआई ने वैधानिक आवश्यकता का पालन किया है। दो महीने से भी कम समय में यह दूसरी एसजीएम है। पिछला चुनाव 12 जनवरी को हुआ था जब आम सभा ने नए सचिव (सैकिया) और नए कोषाध्यक्ष (प्रभातेज सिंह भाटिया) को चुना था। दोनों को निर्विरोध चुना गया। संयुक्त सचिव पद के लिए भी मुकाबला होने की संभावना नहीं है। नामांकन दाखिल करने से पहले आम सहमति बनाई जाएगी। पश्चिम क्षेत्र से एक उम्मीदवार को यह पद मिलने की संभावना है।

उत्तराखंड ने 38वें राष्ट्रीय खेल के पहले दिन ताइक्वांडो में जीते पांच पदक

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के ताइक्वांडो मुकाबलों का आगाज मिलम हॉल, मानसखंड खेल परिसर, हल्द्वानी में हुआ, जहां देशभर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। पहले दिन के रोमांचक क्योर्गी मुकाबलों में एथलीटों ने अपनी फुर्ती, ताकत और तकनीक का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पदकों के लिए कड़ा संघर्ष किया। महिला क्योर्गी स्पर्धाओं में गुजरात की तविशा ककड़िया ने अंडर-46 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि उत्तराखंड की विशाखा साह ने रजत पदक हासिल किया। अंडर-57 किग्रा वर्ग में उत्तराखंड की पूजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, वहीं महाराष्ट्र की शिवानी लाला भिलारे ने रजत पदक जीता। अंडर-73 किग्रा वर्ग में चंडीगढ़ की इतिशा दास ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि तेलंगाना की पयम हर्षप्रधा ने रजत पदक प्राप्त किया।

कर्नाटक की बादशाहत बरकरार, 56 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में कर्नाटक की बादशाहत कायम है। राज्य ने कई स्पर्धाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 30 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य सहित कुल 56 पदक हासिल किए हैं और पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। इसके बाद सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड 28 स्वर्ण, 12 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 52 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। विभिन्न खेल श्रेणियों में उनके प्रभुत्व ने उन्हें शीर्ष स्थान के लिए करीबी मुकाबले में बनाए रखा है।

महाराष्ट्र वर्तमान में 19 स्वर्ण, 36 रजत और 33 कांस्य सहित 88 पदकों की प्रभावशाली कुल संख्या के साथ तीसरे स्थान पर है, जो उन्हें अपने लगातार प्रदर्शन से एक मजबूत दावेदार बनाता है। मध्य प्रदेश ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 18 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य के साथ कुल 36 पदक हासिल किए हैं। इस बीच, हरियाणा ने 13 स्वर्ण, 20 रजत और 22 कांस्य सहित 55 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर रहते हुए एक मजबूत चुनौती पेश की है, जिससे कई खेल विषयों में एक पावरहाउस के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले अन्य राज्यों में तमिलनाडु (47 पदक), मणिपुर और दिल्ली (प्रत्येक में 29 पदक), और केरल (24 पदक) शामिल हैं। मेजबान उत्तराखंड 8 स्वर्ण के साथ 39 पदक हासिल करने में सफल रही है। हालाँकि, प्रतिस्पर्धा कड़ी बनी हुई है, एथलीट अपनी स्पर्धाओं में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए मानवीय सहनशक्ति की सीमाओं को पार कर रहे हैं।

हॉकी : झारखंड की महिला टीम ने मणिपुर को 7-0 से रौंदा

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के हॉकी इवेंट के तीसरे दिन हरिद्वार में आयोजित कुल छह मुकाबले हुए। जिसमें महिला वर्ग में मध्य प्रदेश ने ओडिशा को 3-2 से हराया। मध्य प्रदेश के लिए रितिका सिंह (49', 55') और कप्तान करिश्मा यादव (50') ने गोल किए, जबकि ओडिशा की ओर से पूजा साहू (39') और दीपी मोनिका टोप्पो (45') ने गोल दागे।

अगले मुकाबले में, पश्चिम बंगाल ने हरियाणा को 2-0 से मात दी। इस मैच में सुष्मिता पन्ना (37') और कप्तान अंजना डुंगडुंग (43') ने गोल किए, दोनों गोल तीसरे क्वार्टर में किए गए। आज दिन के सबसे एकतरफा मुकाबले में झारखंड ने मणिपुर को 7-0 से रौंदते हुए महिला पूल बी की अंक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा।

झारखंड की ओर से कप्तान अलबेला रानी टोप्पो ने 5वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद, दीप्ति टोप्पो (14'), होरो संजना (23'),

रोशनी ऐंद (22', 45') और प्रमोदिनी लकड़ा (28', 35') ने गोल कर टीम को शानदार जीत दिलाई। पुरुष वर्ग में, मणिपुर को पंजाब के खिलाफ 0-2 की हार झेलनी पड़ी, जिससे वह पूल ए की अंक तालिका में सबसे नीचे पहुंच गया। पंजाब की ओर से रवनीत सिंह (19') और प्रदीप सिंह (36') ने गोल किए, जिससे पंजाब दूसरे स्थान पर पहुंच गया। पूल ए के दूसरे मुकाबले में कर्नाटक ने ओडिशा को 2-1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कर्नाटक के कप्तान वितलाचार्य सुनील सौमरपीत ने 31वें मिनट में पहला गोल किया, जिसे ओडिशा के नितिन मुकेश तिग्गा ने 45वें मिनट में बराबर कर दिया। हालांकि, 55वें मिनट में चेतन मल्लप्पा करिसिरी के गोल से कर्नाटक ने जीत दर्ज की।

वंदना कटारिया हॉकी स्टेडियम में पुरुष पूल बी के मुकाबले में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच मैच बिना गोल के ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

मैच परिणाम:

महिला वर्ग:

मध्य प्रदेश 3-2 ओडिशा
पश्चिम बंगाल 2-0 हरियाणा
झारखंड 7-0 मणिपुर

पुरुष वर्ग:

मणिपुर 0-2 पंजाब
कर्नाटक 2-1 ओडिशा
उत्तर प्रदेश 0-0 महाराष्ट्र

उत्तर प्रदेश की पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम ने जीता रजत पदक

एजेंसी

लखनऊ। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तर प्रदेश की पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम ने रजत पदक पर कब्जा जमाया। देहरादून में आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता के पुरुष रिकर्व टीम इवेंट के फाइनल में उत्तर प्रदेश के रोहित, नीरज चौहान, अमन सिंह यादव और मृणाल चौहान ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन 4(27) के स्कोर के साथ उन्हें दूसरा स्थान हासिल हुआ।

इस स्पर्धा में झारखंड के गोल्डी मिश्रा, श्रेय भारद्वाज, विष्णु चौधरी और गुरुचरण बेसरा ने 4(29) के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि सर्विसेज टीम के बोम्मदेवरा धीरज, राहुल, इंद्र चंद्र इंद्र और सुखचैन सिंह को 4(28) - 4(27) के स्कोर के साथ कांस्य पदक मिला। उत्तर प्रदेश अब तक राष्ट्रीय खेलों में 6 स्वर्ण, 7 रजत और 6 कांस्य सहित कुल 19 पदक जीतकर पदक तालिका में 13वें स्थान पर पहुंच गया है।

चोटिल कमिंस और हेजलवुड चैंपियंस ट्रॉफी से हुये बाहर

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने यह जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया को इसके अलावा मिचेल मार्श और मार्कस स्टॉयनिस की भी टीम से बाहर हो गये।

मार्श पीठ की चोट से जूझ रहे हैं, वहीं स्टॉयनिस ने अचानक से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया को 12 फरवरी तक इन सभी खिलाड़ियों की जगह नये खिड़ियों की घोषणा करनी है। बेली ने कहा, इन खिलाड़ियों का बाहर होना निराशाजनक है, लेकिन अन्य खिलाड़ियों के लिए ऑस्ट्रेलिया को एक विश्व स्तरीय टूर्नामेंट में प्रतिनिधित्व करने का अवसर होगा। ऐसा माना जा रहा है कि कमिंस की गैरमौजूदगी में

स्टीव स्मिथ या ट्रैविस हेड को टीम का कप्तान बनाया जा सकता हैं। इनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पास शॉन ऐबट और स्पेंसर जॉनसन, लेग स्पिनर तनवीर सांघा, स्पिन ऑलराउंडरर कूपर कॉनली, बल्लेबाज जेक फ्रेंजर मक्गर्क और तेज गेंदबाज ऑलराउंडर बो वेबस्टर भी विकल्प साबित हो सकता हैं।

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को 260 रन पर समेटा

एजेंसी

बुलावायो। ब्लेसिंग मुजारबानी (सात विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने एकमात्र टेस्ट मुकाबले के पहले दिन आयरलैंड को 260 रन पर समेटने के बाद एक विकेट पर 72 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली हैं। आज यहां क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गवां दिये। इसके बाद लोर्कान टकर और एंडी मैक्ब्राइन ने पारी को संभालने का प्रयास किया। ट्रेवर ग्वांडू ने लोर्कान टकर (33) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्क ऐडेर ने एंडी मैक्ब्राइन के साथ पारी को संभाला और 127 रनों की साझेदारी की। मुजारबानी ने मार्क ऐडेर (78) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद एकबार फिर आयरलैंड के विकेट लगातार गिरते चले गये और पूरी टीम 56.4 ओवर में 260 के स्कोर

पर सिमट गई। एंडी मैक्ब्राइन (90) रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके लगाये।जिम्बाब्वे की ओर ब्लेसिंग मुजारबानी ने 58 रन देकर सात विकेट लिये। रिचर्ड एन्गारावा को दो विकेट मिले। ट्रेवर ग्वांडू ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने दिन का खेल समाप्त होने के समय एक विकेट पर 72 रन बना लिये है और वह अभी आयरलैंड के स्कोर से 188 रन पीछे है। जिम्बाब्वे का एकमात्र विकेट बेन करन (12) के रूप में गिरा। स्टंप के समय ताकुडवनाशे काइटानो (नाबाद 26) और निक वेल्च (नाबाद 33) क्रीज पर मौजूद थे।

आयरलैंड की ओर से बैरी मक्कार्थी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पंजाब एफसी ने ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप नेशनल फाइनल में जगह पक्की की

एजेंसी

नई दिल्ली। ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के दिल्ली रीजनल राउंड में फारवर्ड विशाल यादव की शानदार हैट्रिक की बदौलत पंजाब एफसी इस अंडर-17 फुटबॉल टूर्नामेंट के नेशनल फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। नेशनल फाइनल अप्रैल में गोवा में होगा।

यहां फ्रंटियर फुटबॉल क्लब में आयोजित इस मैच में 2024 में ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के पहले संस्करण को जीतने वाली टीम ने एक बार फिर खेल शुरू होने के चार मिनट बाद ही शानदार गोल करके अपना दबदबा दिखाया। 90 मिनट्स एफसी के खिलाफ रीजनल राउंड के पहले मैच में हैट्रिक बना चुके विशाल ने शुरुआती गोल किया। इसके बाद पंजाब एफसी ने अपनी लय खो दी और अपने विरोधियों को वापसी

करने का मौका दिया। हालांकि, फिनिशिंग में कमी की वजह से गढ़वाल हीरोज को नुकसान उठाना पड़ा, जो कभी-कभार मौके मिलने के बावजूद गोल नहीं कर पाए। 1-0 की बढ़त के साथ हाफटाइम ब्रेक में जाने के बाद, पंजाब एफसी ने जीत को पक्का करने के लिए दूसरे हाफ में अपनी रणनीति में बदलाव किया। इस प्रयास से 52वें मिनट में विशाल के दूसरे गोल से उसे अपनी बढ़त को मज़बूत करने का मौक़ा मिला। विशाल ने यह गोल के बॉटम कॉर्नर में एक बेहतरीन शॉट के ज़रिये किया।इसने बाद 68वें मिनट में बॉक्स के किनारे से विशाल द्वारा किया गया ट्रेडमार्क लॉब पंजाब एफसी की जीत पक्की करते में सफल रहा। सेंटर-बैक विशाल ने एक अविश्वसनीय गोललाइन डिफेंसिव हेडर के साथ मिलकर पंजाब एफसी की जीत पक्की की। पंजाब एफसी ने कुल 17 गोल किए और एक भी गोल खाए बिना रीजनल राउंड का समापन किया।

मैच के बाद पंजाब एफसी के कोच रमेश बिस्टा ने कहा, 'हमारे विरोधियों ने आज कड़ी टक्कर दी, लेकिन हमारे पास शुरू से ही एक स्पष्ट रणनीति थी। जल्दी गोल करने के बाद, हमने उन्हें थका देने के लिए खेल की गति को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित किया। यह दृष्टिकोण सफल रहा क्योंकि हम दूसरे हाफ में दो और गोल करने में सफल रहे।'

मेघालय के विकास और एमपी की करिश्मा ने कैनो एक्सट्रीम स्लैलम में बाज़ी मारी

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के अंतर्गत, उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के फूलचट्टी में गंगा नदी में आयोजित कैनो एक्सट्रीम स्लैलम प्रतियोगिता में मेघालय के विकास राणा और मध्य प्रदेश की करिश्मा दीवान ने शानदार प्रदर्शन कर विजेता का ताज अपने नाम किया।प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में मेघालय के विकास राणा ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। उत्तराखंड के अमित थापा को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ, जबकि सर्विसेज के नवीन कुमार तीसरे स्थान पर रहे। जबकि महिला वर्ग में मध्य प्रदेश की करिश्मा दीवान ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। मेघालय की एलिजाबेथ विनसेंट दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि अरुणाचल प्रदेश की देवी ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों

को मेजबान राज्य की खेल मंत्री रेखा आर्या और वन मंत्री सुबोध उनियाल ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को उनकी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। राष्ट्रीय खेल के इस रोमांचक आयोजन में देशभर से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और जल क्रीड़ा के इस रोमांचक मुकाबले को दर्शकों ने खूब सराहा।

गुजरात जायंट्स ने डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए जर्सी का किया अनावरण

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात जायंट्स ने डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए गुरूवार को जर्सी का अनावरण किया। मुख्य कोच माइकल क्लिंगर, खिलाड़ी हरलीन देयोल, शबनम शकील और अदानी स्पोर्ट्सलाइन के सीबीओ संजय अडेसरा की मौजूदगी में जर्सी का अनावरण हुआ। 14 फरवरी से शुरू होने वाले डब्ल्यूपीएल 2025 की शुरुआत होगी और इस टूर्नामेंट के सभी मुकाबले वडोदरा, बेंगलुरु, लखनऊ और मुंबई सहित विभिन्न स्थानों पर खेले जायेंगे। कोच माइकल क्लिंगर ने आज कार्यक्रम में कहा कि हमारी टीम का लक्ष्य इस सत्र में खिताब जीतने का है। टीम की तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा, ÷सभी खिलाड़ी वास्तव में उत्साहित हैं। अगले एक-दो दिन में विदेशी खिलाड़ी आना शुरू हो जाएंगे और फिर हम सब मिलकर काम करना शुरू कर सकते

हैं। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से यहां कड़ी प्रतिस्पर्धा करने के लिए आए हैं। हम शानदार क्रिकेट खेलने के लिए उत्सुक हैं और फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है। हम उससे दूर नहीं जा रहे हैं, इस सीजन में यही हमारा लक्ष्य होगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि, कुछ अतिरिक्त लोगों के मामले में, हमारी टीम में ऐसा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।

उन्होंने कहा, एक बात जिस पर मुझे गर्व है, वह यह है कि पिछले डब्ल्यूपीएल सीज़न के बाद से, हमारे छह खिलाड़ी ए टीम में खेल रहे हैं और उनमें से कुछ पहली बार सीनियर टीम में खेल रहे हैं। इसलिए, शीर्ष स्तर के क्रिकेट और अन्य फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव हमें अच्छी स्थिति में रहने के लिए आवश्यक समर्थन देगा।

इसके अलावा भारत की ऑलराउंडर खिलाड़ी हरलीन देओल, जो चोट के कारण पिछले सीजन में नहीं खेल पाई थीं। वह टीम के साथ वापस आकर उत्साहित थी। खासकर वडोदरा में, जहां उनकी कुछ मीठी यादें हैं, उन्हें वहां अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मुझे वडोदरा में अपना पहला शतक बनाने की सुखद यादें हैं, लेकिन क्रिकेट में आपको हर दिन शून्य से शुरुआत करनी होती है।

हरियाणा ने महिला फुटबॉल में जीता स्वर्ण

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल में महिला फुटबॉल के फाइनल और कांस्य पदक के मुकाबले खेले गए। रोमांचक फाइनल में हरियाणा ने ओडिशा को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं, कांस्य पदक के मुकाबले में पश्चिम बंगाल ने दिल्ली को 3-1 से मात दी। फाइनल मैच में ओडिशा और हरियाणा की टीमें निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं कर सकीं, जिससे मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया। यहां हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की। हरियाणा की ओर से पूनम शर्मा, पूजा, ममता और संतोष ने सटीक पेनल्टी किक लगाकर टीम को जीत दिलाई।

धामी ने साइकिलिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पदक देकर किया सम्मानित

एजेंसी

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में चल रहे राष्ट्रीय खेलों के बीच रुद्रपुर में साइकिलिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पदक वितरित किए।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने शिवालिक वेलोड्रम में चल रहे ट्रेक साइकिलिंग का आनंद लिया। उन्होंने वेलोड्रोम ट्रैक पर साइकिलिंग का आनंद भी लिया। श्री धामी ने 4000 मीटर के स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को पदक के साथ ही पहाड़ी टोपी पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के साथ भोजन भी किया। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन पर खुशी जताई और कहा कि इसमें 20 हजार लोगों द्वारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारे पूरे प्रदेश के लिए अत्यन्त गौरव का क्षण है। श्री धामी ने कहा कि रुद्रपुर में तैयार वेलोड्रम अद्भुत है। खिलाड़ियों ने भी इसका भरपूर आनंद लिया और सराहना की गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अनेक स्थानों पर बहुउद्देशीय हॉल का भी निर्माण किया गया है, खटीमा के चकरपुर में भी मलखम्भ, टनकपुर में राफ्टिंग की प्रतियोगिता आयोजित होनी है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में 11 विभिन्न स्थानों पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं, जो अपने आप में शानदार है। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय

खेल निश्चित रूप से हमारे प्रदेश के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक होंगे। इसके उपरान्त मुख्यमंत्री ने 46वीं वाहिनी पीएसी में पहुंचकर शॉटगन और स्कीट प्रतियोगिता का विधिवत् फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने शूटिंग में हाथ भी आजमाया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री अपने गृहनगर खटीमा में जनता से मिले एवं उनकी समस्याएं सुनीं।

भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

एजेंसी

नागपुर। रवींद्र जडेजा और हर्षित राणा (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद शुभमन गिल (87), अक्षर पटेल (52) और श्रेयस अय्यर (59) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 68 गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। इंग्लैंड के 248 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और उसने मात्र 19 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान रोहित शर्मा (दो) और यशस्वी जायसवाल (15) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 94 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में जेकब बेथेल ने पगबाधा आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर ने 36 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के लगाते हुए (59) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अक्षर पटेल ने गिल का भरपूर साथ निभाया। दोनों के बीच चौथे विकेट लिये 108 रनों की मजबूत साझेदारी हुई। जीत की ओर बढ़ रही भारतीय टीम को 34वें ओवर में आदिल रशीद ने अक्षर पटेल को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अक्षर पटेल ने 47 गेंदों में छह चौके ओर एक छक्का लगाते हुए (52) रन बनाये। के एल राहुल (दो) को आदिल रशीद ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट भारत को पांचवां झटका दिया। इसके बाद साकिब महमूद ने शतक की ओर बढ़ रहे शुभमन गिल को बटलर के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ा झटका दिया। गिल ने 96 गेंदों में 14 चौके लगाते हुए (87) रनों महत्वपूर्ण की पारी खेली। भारत ने 38.4 ओवर में छह विकेट पर 251 रन बनाकर चार विकेट से मुकाबला जीत लिया। रवींद्र जडेजा (12) और हार्दिक पंड्या (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे। जडेजा ने साकिब महमूद की गेंद पर विजयी चौका लगाया। इंग्लैंड की ओर से साकिब महमूद और आदिल रशीद को दो-दो विकेट मिले। जोफ्रा आर्चर और जेबेक बेथल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की फिल सॉल्ट और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में विकेटकीपर केएल राहुल ने फिल सॉल्ट को रनआउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। फिल सॉल्ट ने 26 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (43) रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में हर्षित राणा ने बेन डकेट (32) को आउट कर इंग्लैंड को दूसरा झटका दिया। इसी ओवर में हर्षित ने हैरी ब्रूक (शून्य) को आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। 19वें ओवर में रविंद्र जडेजा ने जो रूट (19) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। 36वें ओवर में हर्षित राणा ने लियम लिविंगस्टन (पांच) को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई। 40वें ओवर में मोहम्मद शमी ने ब्राइडन कार्स (पांच) को आउट किया। 43ओवर में रविंद्र जडेजा ने जेकब बेथेल (51) को आउट कर इंग्लैंड की बड़ा स्कोर बनाने की उम्मीदों को झटका दिया। जडेजा ने आदिल रशीद (आठ) को बोल्ड कर इंग्लैंड को नौवां झटका दिया। 48वें ओवर की चौथी गेंद पर कुलदीप यादव ने साकिब महमूद (दो) को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर इंग्लैंड की पारी को समेट दिया।

बजट उपायों से रसायन क्षेत्र का निर्यात 30 अरब डॉलर पार करने की उम्मीद : केमेक्सिल

एजेंसी

नई दिल्ली। प्राथमिक रसायनों, रासायनिक तथा डाई उत्पादों के निर्यात संवर्धन के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रायोजित परिषद केमेक्सिल को विश्वास है कि इस वर्ष बजट में प्रस्तावित अनुकूल उपायों से देश के रसायन क्षेत्र का निर्यात 30 अरब डालर के वार्षिक स्तर को पार कर जाएगा। केमेक्सिल ने कहा कि आवश्यक कच्चे माल पर आयात शुल्क में कटौती और सूक्ष्म, लघु तथा मझोले क्षेत्र (एमएसएमई) के लिए समर्थन उपायों सहित बजट प्रस्तावों से घरेलू विनिर्माण को बल मिलने वाला है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान, रासायनिक निर्यात 21.20 अरब डॉलर तक पहुँच गया। केमेक्सिल के चेयरमैन अभय उदेशी ने कहा कि वैश्विक स्थिरता रुझानों के साथ संरेखित करने के लिए 'ग्रीन केमिकल्स' और जैव-आधारित विशेष रसायनों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, बजट की पहलों से निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2025-26 का बजट अधिक व्यापार की सुविधा प्रदान करने वाला, विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने वाला और व्यापार में आसानी बढ़ाने वाला है।÷ बजट में फॉस्फोरिक एसिड, बोरिक एसिड और सोर्बिटोल जैसे आवश्यक कच्चे माल पर शुल्क में कटौती का प्रस्ताव किया गया है।

सेल ने माईजीओवी के साथ मिलकर लॉन्च की राष्ट्रीय कहानी लेखन प्रतियोगिता

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात निर्माता कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने माईजीओवी के साथ मिलकर राष्ट्रीय कहानी लेखन प्रतियोगिता, सेल कहानी लेखन प्रतियोगिता - 2025 लांच की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि सेल ने देश भर के महत्वाकांक्षी लेखकों को 'सेलः खुशियों की संस्कृति का निर्माण, जहां हर मुस्कान मायने रखती है' विषय पर अपनी रचनात्मकता को उजागर करने और अनूठी कहानियां साझा करने के लिए आमंत्रित किया है। इस प्रतियोगिता में सभी भारतीय नागरिक भाग ले सकते हैं, जिसमें सेल के मौजूदा और सेवानिवृत्त कार्मिक और उनके परिवार भी शामिल हैं। चाहे कोई अनुभवी लेखक हो या कोई ऐसा व्यक्ति, जिसे कहानी सुनाना और लिखना पसंद है, सेल उन्हें इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस कहानी प्रतियोगिता में हिंदी या अंग्रेजी भाषा में कहानी सबमिट की जा सकती है, जिसकी शब्दसीमा 800 शब्द है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को माईजीओवी की वेबसाइट पर पंजीकरण करना होगा और अपनी कहानियां सबमिट करनी होंगी। कहानी सबमिट करने की अंतिम तिथि 10 मार्च, 2025 है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को केवल पहचान ही नहीं मिलेगी बल्कि उन्हें हिंदी और अंग्रेजी दोनों श्रेणियों में अलग-अलग नकद पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

जोमैटो का नया नाम 'इटरनल', ब्रांड और ऐप रहेंगे वही

नयी दिल्ली। फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो लिमिटेड ने अपना नाम बदलकर 'इटरनल लिमिटेड' करने का फैसला किया है, जिसे कंपनी के बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में कहा, 06 फरवरी, 2025 को पारित संकल्प के तहत यह नाम परिवर्तन किया गया है। हालांकि, यह बदलाव शेयरधारकों, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और अन्य वैधानिक प्राधिकरणों की मंजूरी के अधीन होगा।' जोमैटो के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा कि 'इटरनल' में चार प्रमुख व्यवसाय ज़ोमैटो, ब्लिंकिट, डिस्ट्रिक्ट और हाइपरप्योर शामिल होंगे। उन्होंने 'इटरनल' नाम को शक्तिशाली बताते हुए कहा कि यह केवल एक नाम परिवर्तन नहीं बल्कि एक मिशन स्टेटमेंट है। उन्होंने लिखा, 'इटरनल एक वादा और विरोधाभास दोनों को समेटे हुए है। यह हमारे सफर की निरंतरता का प्रतीक है।' कंपनी ने हालांकि स्पष्ट किया है कि जोमैटो का ब्रांड नाम और ऐप वही रहेगा यानी ग्राहकों को फूड डिलीवरी सेवाओं में किसी प्रकार का बदलाव महसूस नहीं होगा।

बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया गारंटीड इनकम प्लान - पाएं पहले महीने से ही सुनिश्चित आय का लाभ

नई दिल्ली। भारत की एक प्रमुख जीवन बीमा कंपनी, बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने बंधन लाइफ गारंटीड इनकम प्लान लॉन्च किया है, जो अब देशभर में बंधन बैंक की शाखाओं में उपलब्ध है। यह प्लान पॉलिसीधारकों को जीवन बीमा कवर की सुविधा के साथ पहले महीने से ही एक सुनिश्चित आय प्रदान करने की सुविधा देता है - जो उनके शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म दोनों प्रकार के वित्तीय लक्ष्यों के लिए एक आदर्श समाधान है। यह प्लान अनेक भुगतान विकल्प भी देता है - कोई व्यक्ति अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के अनुरूप नियमित आय भुगतान या मच्योरिटी पर एकमुश्त भुगतान का विकल्प चुन सकता है। इसके अलावा, पॉलिसीधारक को चुने गए प्लान विकल्प के आधार पर अपने सभी प्रीमियम वापस पाने का विकल्प भी मिलता है। यह प्लान मौजूदा कानूनों के तहत कर लाभ के योग्य है। बंधन लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, सतीश्वर बी., ने कहा, बंधन लाइफ इंश्योरेंस में, हम अपने ग्राहकों को वित्तीय सुरक्षा और आत्मविश्वास प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे जीवन बीमा के ढरिये अपने सपनों को साकार कर सकें।

जयंत चौधरी ने ग्रेटर नोएडा में एनएसडीसी इंटरनेशनल अकादमी का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) अंतरराष्?ट्रीय अकादमी का उद्घाटन किया। यह अकादमी विश्वस्तरीय कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जयंत चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि एनएसडीसी इंटरनेशनल एकेडमी भारतीय युवाओं और वैश्विक रोजगार अवसरों के बीच की खाई को पाटने के लिए बनाई गई एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि

यह जर्मनी, जापान और इज़राइल जैसे देशों की कौशल मांगों के अनुरूप विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करते हुए उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में काम करेगा। इस अवसर पर जयंत चौधरी ने जर्मनी जाने वाले 11 उम्मीदवारों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने एनएसडीसी इंटरनेशनल एकेडमी का दौरा किया, छात्रों से उनकी जीवन यात्रा के बारे में बातचीत की, उन्हें प्रेरणा दी और केंद्र में मौजूद एआई और वीआर सुविधाओं, उन्नत प्रयोगशालाओं का भी अनुभव कराया। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित एनएसडीसी इंटरनेशनल अकादमी विश्व स्तरीय कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक सुविधा मुहैया कराता है। यह अकादमी युवाओं को विदेशी भाषाओं में सशक्त बनाने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय कैरियर के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए है।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सोना 86 हजार के पार पहुंचा

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के बाद रेपो रेट 6.5 फीसदी से घटकर 6.25 फीसदी हो गया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज इसका ऐलान किया। रेपो रेट में इस कटौती से लोन सस्ता होगा और ईएमआई भी घटेगी।

संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद लिए गए फैसले की जानकारी पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि छह सदस्यीय समिति ने आम सहमति से रेपो रेट को 0.25 फीसदी से घटाकर 6.25 फीसदी करने का निर्णय किया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। जबकि चालू वित्त वर्ष आर्थिक वृद्धि

दर 6.4 फीसदी पर रहने के अनुमान को बरकरार रखा है।संयज मल्होत्रा ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 4.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में इसके 4.8 फीसदी रहने की संभावना है। गौरतलब है कि आरबीआई ने फरवरी 2023 से रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा था।

ईपीआर को उद्यमिता के विस्तार का अवसर के रूप में अपनाएंः खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) को सिर्फ एक बाध्यता के रूप में देखने के बजाय एक बड़े अवसर के रूप में अपनाना चाहिए। नई दिल्ली के एक होटल में इंडियन ईपीआर एलायंस की ओर से आयोजित कार्बन मार्केट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई) को संबोधित करते हुए सांसद खंडेलवाल ने जोर दिया कि खुदरा एवं थोक विक्रेता और व्यापारी भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत?वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी विकास के विजन को आगे बढ़ाने के अनुरूप है। प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत %मिशन लाइफ%, स्वच्छ भारत अभियान और 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य जैसी पहलों के माध्यम से स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपशिष्ट (वेस्ट) प्रबंधन, संसाधन दक्षता और जवाबदेही को सुनिश्चित करने में ईपीआर की महत्वपूर्ण भूमिका को भी

रेखांकित किया। भाजपा सांसद खंडेलवाल ने कहा कि अब तक अपशिष्ट प्रबंधन मुख्य रूप से अनौपचारिक कचरा बीनने वालों और छोटे रीसाइक्लर्स पर निर्भर रहा है, लेकिन ईपीआर एक संरचित ढांचा प्रदान करता है जो व्यापारियों, निर्माताओं और नीति-निर्माताओं को आपस में जोड़ता है। उन्होंने प्लास्टिक, पैकेजिंग, ई-वेस्ट और स्क्रैप क्षेत्रों में छोटे व्यापारियों को अधिकृत कलेक्शन पार्टनर बनने का आह्वान किया ताकि वे ईपीआर अनुपालन को अपनाकर अपनी आय को स्थिर कर सकें और व्यापार का विस्तार कर सकें।कैट महामंत्री ने सरकार द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षण और वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से ईपीआर अनुपालन को सरल बनाने के प्रयासों का स्वागत करते हुए कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र आने वाले वर्षों में एक बहु-अरब डॉलर (मल्टी-बिलियन डॉलर) का उद्योग बनने की ओर अग्रसर है, जो छोटे व्यवसायों के लिए व्यापक आर्थिक अवसर खोलेगा। खंडेलवाल ने अपने संबोधन में सरल अनुपालन प्रक्रियाओं और व्यापार, रीसाइक्लिंग उद्योग एवं नीति-निर्माताओं के बीच मजबूत सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने व्यापार जगत से भारत के हरित (ग्रीन) परिवर्तन में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने सीएमएआई द्वारा लॉन्च किए गए इंडिया ईपीआर एलायंस का स्वागत करते हुए इसे देश की अपशिष्ट प्रबंधन यात्रा में एक मील का पत्थर बताया।

ईपीएफओ ने 2024-25 में 5 करोड़ से अधिक दावों का किया निपटान

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पहली बार 5 करोड़ दावों के निपटान का आंकड़ा पार करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। ईपीएफओ ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 2,05,932.49 करोड़ रुपये की राशि के 5.08 करोड़ से ज्यादा दावों का निपटान किया है, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में निपटाए गए 1,82,838.28 करोड़ रुपये के 4.45 करोड़ दावों से अधिक है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने एक बयान में कहा कि यह उल्लेखनीय उपलब्धि ईपीएफओ के दावा निपटान प्रक्रियाओं को बढ़ाने और सदस्यों के बीच शिकायतों को कम करने के लिए शुरू किए गए परिवर्तनकारी सुधारों की श्रृंखला के कारण संभव हुई है। उन्?होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में ऑटो क्लेम सेटलमेंट दोगुना होकर 1.87 करोड़ हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 89.52 लाख ऑटो क्लेम संसाधित किए गए थे। इसी तरह सरलीकृत ट्रांसफर क्लेम आवेदन की शुरुआत के बाद से अब केवल 8 फीसदी ट्रांसफर क्लेम के लिए सदस्य और नियोक्ता सत्यापन की आवश्यकता होती है। श्रम मंत्री

ने कहा कि सरलीकृत प्रक्रिया की शुरुआत के बाद से लगभग 97.18 फीसदी प्रोफ़ाइल में सुधार खुद सदस्यों ने किये हैं, जिससे कार्यालय हस्तक्षेप घटकर केवल 0.4 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने कहा कि नियोक्ता की ओर से अस्वीकृति के मामले घटकर 1.11 फीसदी और क्षेत्रीय कार्यालय से 0.21 फीसदी रह गए हैं, जो सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता और दावा निपटान में प्रक्रियागत बाधाओं में कमी को दर्शाता है। मंडाविया ने सदस्य प्रोफ़ाइल सुधार सुधारों के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि 48 फीसदी दावे नियोक्ता के हस्तक्षेप के बिना सीधे प्रस्तुत किए जाते हैं, जबकि 44 फीसदी स्थानांतरण अनुरोध स्वचालित रूप से उत्पन्न होते हैं। इसी तरह पीएफ ट्रांसफर क्लेम सबमिशन प्रक्रिया में सुधारों ने कार्यप्रवाह को काफी हद तक सुव्यवस्थित कर दिया है।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्याज दरों को लेकर रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी का फैसला आने के पहले घरेलू शेयर बाजार आज संभलकर कारोबार करता रहा। निवेशकों के सतर्क रुख की वजह से बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल, रियल्टी और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, बैंकिंग और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.15 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 425.14 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.05 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,063 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,917 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,018 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,568 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,164 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,404 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 242.08 अंक की तेजी के साथ 78,513.36 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 427.29 अंक की कमजोरी के साथ 77,843.99 अंक के स्तर तक गिर गया।

स्टेट बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में 84 फीसदी बढ़कर 16,891 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एसबीआई का मुनाफा 84 फीसदी बढ़कर 16,891 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 9,164 करोड़ रुपये रहा था। स्टेट बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बैंक की कुल आय बढ़कर 1,28,467 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,18,193 करोड़ रुपये थी। तीसरी तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय सालाना आधार पर 1,06,734 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,17,427 करोड़ रुपये हो गई है। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी दिसंबर 2024 के अंत में 2.07 फीसदी पर आ गई, जो पिछले वित्?त वर्ष की समान अवधि के अंत में 2.42 फीसदी थीं। बैंक ने बताया कि इसी तरह शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) भी सालाना आधार पर 0.64 फीसदी से घटकर 0.53 फीसदी रह गईं। इसके साथ ही एसबीआई समूह का एकीकृत शुद्ध लाभ इस अवधि में सालाना आधार पर 11,064 करोड़ रुपये से 70 फीसदी बढ़कर 18,853 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा एकीकृत कुल इनकम तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 1,53,072 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,67,854 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

भारत-ब्रिटेन ने हरित हाइड्रोजन मानकों को आकार देने के लिए हाथ मिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने नई दिल्ली में ब्रिटिश समकक्षों के साथ दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की, जिसमें हरित हाइड्रोजन उत्पादन और विनियमन के मानकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया। ग्रीन हाइड्रोजन पर कार्यशाला का उद्देश्य भारत-ब्रिटेन सहयोग को मजबूत करना है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि ब्रिटिश मानक संस्थान (बीएसआई) और यूके के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के साथ साझेदारी में आयोजित यह पहल उभरती हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को संरेखित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्रालय ने कहा कि कार्यशाला के दौरान ब्रिटिश मानक संस्थान में ऊर्जा क्षेत्र प्रमुख एबे डोरियन ने कहा

कि यह एक सतत हाइड्रोजन बाजार के निर्माण में ज्ञान के आदान-प्रदान, मानकीकरण और नवाचार के महत्व का प्रमाण है। उन्होंने कहा, भारत और यूनाइटेड किंगडम की ग्रीन हाइड्रोजन में अग्रणी बनने की साझा महत्वाकांक्षा है, जो नेट जीरो भविष्य के लक्ष्य को समर्थन करता है।खाद्य मंत्रालय ने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत भारतीय मानक ब?यूरो के प्रयासों को भी मजबूत करता है। इसने मानकों में कमियों की पहचान करने, नए क्षेत्रों की खोज करने और विशेषज्ञों से जुड़ने में मदद की। वैश्विक सर्वोत्तम विधियों से प्राप्त अंतर्दृष्टि भारत के प्रमाणन, परीक्षण और मानकीकरण को बढ़ाएगी, जिससे एक सतत और प्रतिस्पर्धी हरित हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था को सहयोग मिलेगा। इस कार्यक्रम में भारत और यूनाइटेड किंगडम के नीति निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और विशिष्ट उद्योगपतियों ने गहन विचार-विमर्श किया।

इसके साथ ही उन्होंने हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए भारत और यूनाइटेड किंगडम के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित किया। इस कार्यशाला का उद्घाटन राजीव शर्मा, उप महानिदेशक (मानकीकरण-द्ब), भारतीय मानक ब्यूरो, लॉरा एलेट, जलवायु और ऊर्जा प्रमुख (ब्रिटिश उच्चायोग) और एबे डोरियन, ऊर्जा क्षेत्र प्रमुख, भारतीय मानक ब्यूरो ने किया।

दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो का 20–21 फरवरी को यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में

एजेंसी

नई दिल्ली। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) राजधानी नई दिल्ली में द्वारका के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में 20-21 फरवरी को दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो (डीआईएलईएक्स) 2025 का आयोजन करने जा रहा है। डीआईएलईएक्स 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों के साथ मिलकर निर्यात और रोजगार को प्रोत्साहन देगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय नेजारी एक बयान में बताया कि यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में होने वाला डीआईएलईएक्स 2025 प्रमुख बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) कार्यक्रम है। इसको निर्माताओं एवं निर्यातकों को अपने नवीनतम संग्रह, नवाचारों और क्षमताओं को अंतरराष?ट्रीय खरीदारों के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करने के लिए डिजाइन

किया गया है, जो व्यवहार्य सोर्सिंग विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। चमड़ा निर्यात परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जालान ने बताया कि केंद्रीय बजट में की गई घोषणाएं भारत के चर्म और फुटवियर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों के तहत तेजी से वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग हब के रूप में विकसित हो रहा है। सीएलई ने 2030 तक 47 अरब अमेरिकी डॉलर बिजनेस का लक्ष्य तय किया है। इसमें से 13.7 अरब अमेरिकी डॉलर निर्यात क्षेत्र के लिए है।

वर्ष 2043 तक भारत और दक्षिण एशिया में हवाई जहाजों का बेड़ा होगा चार गुना : बोइंग

नई दिल्ली । वैश्विक एयरोस्पेस दिग्गज बोइंग ने कहा कि भारत और दक्षिण एशिया में आर्थिक विकास और बढ़ती हवाई यातायात मांग की बदौलत वाणिज्यिक हवाई जहाजों का बेड़ा वर्ष 2043 तक चार गुना तक बढ़ जाएगा।

बोइंग के नवीनतम वाणिज्यिक बाजार परिदृश्य (सीएमओ) के अनुसार, इस क्षेत्र में वर्ष 2043 तक हवाई यातायात सालाना सात प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ेगा। इसका मुख्य कारण निरंतर आर्थिक विस्तार, बेहतर कनेक्टिविटी और सरकार की उदारीकरण नीतियां होंगी, जो हवाई यात्रा को बढ़ावा देंगी।

बोइंग के पूर्वानुमान के अनुसार, भारत में घरेलू हवाई यातायात सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ने वाला खंड बना रहेगा। यह विस्तार विशेष रूप से कम लागत वाली एयरलाइनों के विस्तार और नेटवर्क विविधीकरण के कारण होगा, जो नए मार्गों और गंतव्यों को जोड़ने में सहायक होंगे। बोइंग ने भविष्यवाणी की है कि सिंगल-ऑयल ईंधन-कुशल विमान 737 एमएएक्स आने वाले वर्षों में 10 में से नौ नए वाणिज्यिक जेट डिलीवरी के लिए जिम्मेदार होंगे। ये विमान छोटे और मध्यम दूरी के मार्गों के लिए एयरलाइनों को अधिक लचीलापन और लागत-कुशलता प्रदान करेंगे।

जनवरी में एफआईआई ने बेचे 87 हजार करोड़ के शेयर, फाइनेंशियल सेक्टर में की सबसे अधिक बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। जनवरी का महीना घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों के कारोबार के लिहाज से एक बार फिर दबाव वाला साबित हुआ। इस महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 87,374.66 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। इस कारण स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी घट कर 12 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। जनवरी के महीने की शुरुआत से ही विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाली का दबाव बनाते रहे, लेकिन महीने के दूसरे पखवाड़े में एफआईआई ने बिकवाली और तेज कर दी। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के अनुसार जनवरी में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कुल 2,42,699.59 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की, वहीं 3,30,074.25 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। इसमें एफआईआई ने सबसे अधिक बिकवाली फाइनेंशियल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर सर्विसेज और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में की। इसमें भी सबसे अधिक बिकवाली फाइनेंशियल सेक्टर में की गई। इस सेक्टर में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने जनवरी के दूसरे पखवाड़े के दौरान 12,745 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस पखवाड़े में ही एफआईआई ने आईटी और कंज्यूमर सर्विसेज सेक्टर के शेयरों में 4,544 करोड़ रुपये और 4,840 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की। इसके अलावा इसी अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने ऑटोमोबाइल सेक्टर के 3,899 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की, जबकि कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में विदेशी निवेशकों की बिकवाली 3,077 करोड़ रुपये की रही। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में 2,869 करोड़ रुपये, सर्विस सेगमेंट में 1,334 करोड़ रुपये, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में 1,277 करोड़ रुपये और पावर सेक्टर में 1,083 करोड़ रुपये की बिकवाली की। डिपॉजिट से मिले इन आंकड़ों से साफ है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बड़े सेक्टर्स में अपनी स्टॉक होल्डिंग कम कर दी।

हालांकि, जनवरी के दूसरे पखवाड़े में विदेशी निवेशकों ने कुछ सेगमेंट्स में खरीदारी पर भी जोर दिया। इस दौरान एफआईआई ने टेलीकॉम सेक्टर में 643 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। इसी तरह टेक्सटाइल सेक्टर में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 397 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। डायवर्सिफाइड स्टॉक्स में एफआईआई ने 287 करोड़ रुपये की खरीदारी दर्ज की। जनवरी के महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों की गई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घट कर 16.08 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो जून 2012 के बाद अभी तक का सबसे निचला स्तर है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों के पास मौजूद एसेट्स अंडर कस्टडी (एयूसी) घट कर 67.76 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गई, जो पिछले 8 महीने का सबसे निचला स्तर है। पिछले 4 महीने के अवधि में एफआईआई-एयूसी में 10.20 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की स्टॉक मार्केट में हिस्सेदारी बढ़कर 10.28 प्रतिशत हो गई है, जो इससे पहले दिसंबर के महीने में 9.93 प्रतिशत के स्तर पर थी। आंकड़ों से साफ है कि घरेलू शेयर बाजार से लगातार पैसा निकालने के बावजूद डीआईआई ने खरीदारी करके बाजार को क्रैश होने से बचाने की कोशिश करने के साथ स्टॉक मार्केट में अपनी पकड़ भी मजबूत की है।

श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे की याचिका पर 19 मार्च को करेगा विचार

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका का सुप्रीम कोर्ट पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की मौलिक अधिकार याचिका पर 19 मार्च को विचार करेगा। राजपक्षे ने निजी सुरक्षा से जुड़ी याचिका में अपने सुरक्षा अधिकारियों की संख्या घटाकर 60 करने के सरकार के फैसले को चुनौती दी है।डेली न्यूज समाचार पत्र की खबर के अनुसार 2005 से 2015 तक श्रीलंका के राष्ट्रपति रहे महिंदा राजपक्षे की मौलिक अधिकार याचिका पर आज जस्टिस प्रीति पैद्मैन सुरसेना, जस्टिस जनक डी सिल्वा और जस्टिस संपत अबेकून की पीठ ने सुनवाई की। राजपक्षे ने यह याचिका 24 जनवरी को दाखिल की थी। इसमें राजपक्षे ने कहा था कि सरकार ने सुरक्षा में तैनात कर्मियों की संख्या घटाकर 60 कर दी है, जो पहले 350 से अधिक हुआ करती थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से इस पर दखल देने का आग्रह किया था। मौलिक अधिकार याचिका में 80 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे ने कहा था कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के तीन दशक लंबे सशस्त्र अभियान को समाप्त करने में उनकी भूमिका के कारण उनका जीवन खतरे में है। उन्होंने याचिका में प्रतिवादी के रूप में प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या, कैबिनेट और रक्षा प्रतिष्ठान का नामित किया है।

बांग्लादेश में बंगबंधु के आवास की ईंट से ईंट बजा दी गई, अंतरिम सरकार तमाशबीन

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और मुल्क के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के आवास (धानमंडी-32) का बड़ा हिस्सा गिराया जा चुका है। कल रात से बवाल जारी है। रात को इस घर में आग भी लगा दी गई। आज सुबह साढ़े 08 बजे भीड़ बुलडोजर के माध्यम से बंगबंधु के आवास को पूरी तरह गिराने में आमादा दिखी। इस दौरान अंतरिम सरकार और पुलिस हाथ पर हाथ धरे नजर आई। बांग्लादेश के अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, सुबह लोग बुलडोजर और अन्य उपकरणों से घर को गिराते रहे। भीड़ में शामिल लोगों में से कुछ ने कहा कि वह हसीना से जुड़ी हर स्मृति को जमींदोज कर देंगे। द डेली स्टार के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने आज पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का पुतला भी फूंका। शेख मुजीब और उनके परिवार के नाम पर रखे गए बेगम रोकेया विश्वविद्यालय रंगपुर हॉल पर लगी नेमप्लेट उखाड़ कर फेंक दी। बांग्लादेश के संस्थापक राष्ट्रपति शेख मुजीब को बंगबंधु (राष्ट्रपिता) के नाम से जाना जाता है। प्रदर्शनकारियों ने कारमाइकल कॉलेज और डीसी ऑफिस चौराहे पर भी तोड़फोड़ की। विरोध-प्रदर्शन रोकेया विश्वविद्यालय परिसर से शुरू हुआ। प्रदर्शनकारियों ने शेख मुजीब का एक भित्तिचित्र तोड़ने के बाद परिसर के कुछ हिस्से पर बुलडोजर चला दिया। इस परिसर को ओपन स्टेज (मुक्तोमोनचो) घोषित कर दिया। उन्होंने बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान हॉल का नाम बदलकर बिजॉय 24 हॉल कर दिया।

फिलीपींस में सेना के साथ संघर्ष में दो विद्रोही मारे गये

मनीला। फिलीपींस के सैनिकों ने मध्य फिलीपींस के समर प्रांत में संघर्ष के दौरान दो कथित विद्रोहियों को मार गिराया। सेना ने कहा कि परानास शहर में बुधवार सुबह सैनिकों और न्यू पीपुल्स आर्मी (एनपीए) के विद्रोहियों के बीच लड़ाई शुरू हो गई, जब सैनिक गश्त पर थे। सैनिकों ने भाग रहे विद्रोहियों का पीछा किया, जिससे विद्रोहियों के साथ संक्षिप्त झड़पें हुईं। सेना ने कहा कि

जवानों ने मुठभेड़ स्थल पर कुछ हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। एनपीए उग्रवादी 1969 से सरकारी सैनिकों से लड़ रहे हैं। मिलिट्री डेटा से पता चला है कि एनपीए की संख्या 1980 के दशक में लगभग 25 हजार सशस्त्र सदस्यों के शिखर से घटकर अब कम हो गई है।अपनी घटती संख्या के बावजूद, एनपीए ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे स्तर पर हमले जारी रखता है।

बंगलादेश ने भारतीय उच्चायुक्त पवन को तलब किया

ढाका/नयी दिल्ली। बांग्लादेश की सेना समर्थित अंतरिम सरकार ने भारत में शरण लिए हुए अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिए गए 'झूठे और मनगढ़ंत बयानों' के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। न्यूज़18बीडी की रिपोर्ट के अनुसार विदेश मंत्रालय ने भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को एक विरोध पत्र सौंपा। उन्हें सुश्री हसीना के ऑडियो बयान के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के एक दिन बाद मंत्रालय में तलब किया गया था। मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, 'ढाका में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त को सौंपे गए विरोध पत्र के माध्यम से मंत्रालय ने बांग्लादेश सरकार की गहरी चिंता, निराशा और गंभीर आपत्ति व्यक्त की है क्योंकि इस तरह के बयान बांग्लादेश में लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं।'

नए शिपिंग प्रतिबंधों पर भड़का ईरान, अमेरिका को सुनाई खरी-खरी

एजेंसी

तेहरान । ईरान ने शिपिंग से संबंधित प्रतिबंध लगाने के वाशिंगटन के कदम की निंदा की। तेहरान के मुताबिक इससे उसे साझेदारों के साथ वैध व्यापार करने से रोका जाएगा। आधिकारिक समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी।

अमेरिकी ट्रेजरी ने कहा कि वह कुछ व्यक्तियों और टैंकरों पर नए प्रतिबंध लगा रहा है, जो प्रति वर्ष लाखों बैरल ईरानी कच्चे तेल को चीन भेजने में मदद करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह ईरान के कच्चे तेल के निर्यात को शून्य पर लाने की कसम खाई थी। इसके बाद बाद ईरान के तेल पर लगने वाली ये पहली पाबंदी है। यह अमेरिकी कदम तेहरान की परमाणु क्षमताओं पर अंकुश लगाने के प्रयासों का हिस्सा है। आईआरएनए ने ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघई के हवाले से कहा,÷ईरान को उसके आर्थिक

साझेदारों के साथ वैध व्यापार करने से रोककर ईरानी लोगों पर दबाव डालने का नए अमेरिकी प्रशासन का फैसला एक नाजायज और गैरकानूनी कार्रवाई है। बाघई ने कहा,ईरान इस तरह की एकतरफा और धमकाने वाली कार्रवाइयों के परिणामों और नतीजों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को जिम्मेदार ठहराता है। इससे पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के सदस्यों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर सभी सदस्य एकजुटता से काम करते हैं तो अमेरिका उनमें से किसी पर भी प्रतिबंध नहीं लगा पाएगा। तेहरान में ओपेक के महासचिव हैथम अल घैस के साथ बैठक के दौरान पेजेशकियन ने कहा, ओपेक के सदस्यों को इस तरह से काम करना चाहिए कि उससे से किसी अन्य सदस्य को नुकसान न पहुंचे।

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा, मेरा मानना है कि अगर ओपेक के सदस्य एकजुट होकर और लगातार काम करते हैं, तो अमेरिका उनमें से किसी पर प्रतिबंध नहीं लगा पाएगा और न ही उन पर दबाव डाल पाएगा। राष्ट्रपति के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान,पेजेशकियन ने ओपेक सदस्यों की एक आम भाषा, दृष्टिकोण और नीति पर पहुंचने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संगठन को राजनीतिकरण से दूर रखने की भी बात कही।

पनामा के राष्ट्रपति ने अमेरिकी दावे को किया खारिज, कहा– नहर पर युद्धपोतों के गुजरने पर कोई समझौता नहीं

एजेंसी

मनीला। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी युद्धपोतों को पनामा नहर से बिना शुल्क गुजरने की अनुमति मिल गई है। राष्ट्रपति मुलिनो ने स्पष्ट किया कि नहर से गुजरने की शर्तें पनामा सरकार और संबंधित प्राधिकरणों द्वारा तय की जाती हैं, और इस संबंध में कोई विशेष छूट या नया समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से इस विषय पर चर्चा की थी और स्पष्ट रूप से बताया था कि शुल्क में किसी तरह की छूट देना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में मुलिनो ने कहा, मैं अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। यह दावा न केवल भ्रामक है, बल्कि पनामा की संप्रभुता पर भी प्रश्न उठाता है। उन्होंने वॉशिंगटन स्थित पनामा के राजदूत को निर्देश दिया है कि वे इस दावे का आधिकारिक रूप से विरोध दर्ज कराएं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा था कि सरकारी जहाज अब पनामा नहर से बिना किसी शुल्क के गुजर सकते हैं, जिससे अमेरिका को सालाना लाखों डॉलर की बचत होगी। हालांकि, मुलिनो ने इस बयान पर आश्चर्य जताते हुए इसे बेबुनियाद और अस्वीकार्य करार दिया। उन्होंने कहा कि पनामा नहर का संचालन अंतरराष्ट्रीय संधियों और देश के कानूनों के तहत किया जाता है, और किसी भी बदलाव पर केवल पनामा सरकार का अधिकार है।

नाइजीरिया के स्कूल में लगी भीषण आग, 17 बच्चों की मौत

एजेंसी

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी इलाके में स्थित एक इस्लामिक स्कूल में लगी आग में कम से कम 17 बच्चों की मौत हो गई। देश की आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसी ने यह जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि जम्फारा राज्य के कौरा नमोदा जिले में यह भीषण हादसा हुआ। जब आग लगी, तब स्कूल में करीब 100 बच्चे मौजूद थे। एजेंसी के मुताबिक सत्रह बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। आग किस वजह से लगी यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

हालांकि एजेंसी का कहना है कि अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी। नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला टीनूबू ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाइजीरिया में स्कूलों में आग लगना आम बात नहीं

है लेकिन पिछली घटनाओं के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया गया जो 'सुरक्षित स्कूल पहल' की सिफारिशों को लागू करने में नाकाम रही। इन सिफारिशों को स्कूलों और छात्रों की सुरक्षा के लिए 2014 में तैयार किया गया था। टीनूबू ने नियामक अधिकारियों को निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया। पिछले महीने,नाइजीरिया की राजधानी अबुजा के बाहरी इलाके में एक स्कूल में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस में विस्फोट हुआ था। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

ट्रंप ने दोहराया गाजा प्लान, कहा– लड़ाई के अंत में इजरायल अमेरिका को सौंप देगा क्षेत्र

एजेंसी

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा पर अमेरिका के 'कब्जा' की अपनी विचार को दोहराया। ट्रंप ने अपनी योजना की घोषणा रात को की थी। बुधवार को फिलिस्तीनियों और दुनिया भर के नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया लेकिन ऐसा लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, लड़ाई के अंत में इजरायल गाजा पट्टी को संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया देगा। फिलिस्तीनी, चक शूमर जैसे लोग, पहले ही कहीं अधिक सुरक्षित और अधिक सुंदर घरों में बस चुके होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, उन्हें वास्तव में खुश, सुरक्षित और स्वतंत्र होने का मौका मिलेगा। अमेरिका, दुनिया भर की महान विकास टीमों के साथ मिलकर, धीरे-धीरे, सावधानी से निर्माण शुरू करेगा जो पृथ्वी पर अपनी तरह का सबसे महान और सबसे शानदार विकास कार्य बन जाएगा। अमेरिका के किसी भी सैनिक की जरूरत नहीं होगी! क्षेत्र में स्थिरता कायम होगी!! बता दें मंगलवार (4

जनवरी) को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने अपना गाजा प्लान का ऐलान किया था। ट्रुथ सोशल पर लिखे गए उनके पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि फिलिस्तीनी क्षेत्र के दो मिलियन निवासियों को वापस लौटने के लिए आमंत्रित किया जाएगा या नहीं। अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, कब्जे वाले क्षेत्र से आबादी को जबरन स्थानांतरित करने के प्रयासों पर सख्त प्रतिबंध है। ट्रंप ने गाजा को विकसित करने का प्रस्ताव रखा तो सुझाव दिया था कि फिलिस्तीनियों का विस्थापन स्थायी होगा। ट्रंप के इस बयान के बाद उन पर जातीय सफाया करने की योजना बनाने का आरोप लगा।

संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार समूहों और अरब नेताओं ने इसकी निंदा की है। इसके बाद व्हाइट हाउस की तरफ से ट्रंप के बयान पर सफाई भी दी गई। प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने बुधवार को कहा कि कोई भी विस्थापन अस्थायी होगा। वहीं विदेश मंत्री रुबियो ने कहा कि विचार यह है कि गाजा के लोग 'अंतरिम' अवधि के लिए क्षेत्र छोड़ दें, जबकि मलबा साफ किया जा रहा हो और पुनर्निर्माण कार्य चल रहा हो।

फिलीपींस में अमेरिकी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त, चार की मौत

एजेंसी

मनीला (फिलीपींस)। अमेरिकी रक्षा विभाग का एक छोटा विमान दक्षिण फिलीपींस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड ने दी।

दुर्घटना दक्षिणी फिलीपींस के मगुइंडानाओ डेल सुर में हुई। विमान खेत में गिरा। दुर्घटना स्थल से आई तस्वीरों में बीचक्राफ्ट किंग एयर 350 का मलबा दिखाई दे रहा है, जिसकी पुष्टि अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने की है। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में अमेरिकी मरीन का एक सदस्य समेत तीन रक्षा कॉन्ट्रैक्टर (ठेकेदार) की मौत हो गई। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड ने कहा कि छोटा विमान फिलीपींस के सहयोगियों के अनुरोध पर खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही सहायता प्रदान करते हुए एक नियमित मिशन पर था। यह दुर्घटना एक नियमित मिशन के दौरान हुई तथा दुर्घटना के

कारण की जांच की जा रही है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, यह विमान मेट्रिया स्पेशल एयरोस्पेस आईएसआर, इंक के नाम पर पंजीकृत है। यह दुर्घटना नए रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा सचिव गिल्बर्टो टेओडोरो जूनियर संग हुई पहली बातचीत के एक दिन बाद घटी। कॉल के विवरण के अनुसार, दोनों ने दक्षिण चीन सागर में प्रतिरोध के महत्व और फिलीपींस सेना की क्षमताओं को बढ़ाने पर चर्चा की। इंडो-पैसिफिक कमांड ने मिंडानाओ द्वीप पर दुर्घटना के बारे में एक बयान में कहा, यह विमान हमारे फिलीपींस सहयोगियों के अनुरोध पर खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही सहायता प्रदान कर रहा था। यह घटना अमेरिका-फिलीपींस सुरक्षा सहयोग गतिविधियों के समर्थन में एक नियमित मिशन के दौरान हुई। अमेरिकी सेना ने बताया कि इस घटना में एक सैन्यकर्मी और तीन रक्षा ठेकेदार मारे गए हैं। उनके परिवारों को सूचित किए जाने तक उनकी तत्काल पहचान नहीं हो पाई है।बयान में कहा गया, हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि दुर्घटना में कोई जीवित नहीं बचा है। फिलीपींस में अल्पावधि के लिए अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की गई है, जहां अमेरिकी सेना ने मिंडानाओ में सक्रिय इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े आतंकवादियों से लड़ने वाले सैनिकों को खुफिया जानकारी उपलब्ध कराने में मदद की है। फिलीपींस की सेना ने एक बयान में कहा कि वह दुर्घटना के बारे में जानकारी जारी नहीं कर सकती क्योंकि मामला गोपनीय है और जांच जारी है।

बांग्लादेश में बीएनपी नेता की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता मामुन हुसैन की आज तड़के नारायणगंज सदर उपजिला के फतुल्लाह में अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। 42 वर्षीय मामुन हुसैन को पुरबललपुर रेलवे लाइन के पास निशाना बनाया गया। वह ईंट और रेत का कारोबार करते थे। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बीएनपी के स्वैच्छिक दल के संयुक्त संयोजक मामुन हुसैन को उनकी कारोबारी फर्म मां-बाबर आशीर्वाद ट्रेडर्स के सामने गोली मारी गई। उनके बड़े भाई अमजद हुसैन ने इसकी पुष्टि की। अमजद ने कहा कि कुछ लोग मामुन को घर से जगाकर मां-बाबर आशीर्वाद ट्रेडर्स के सामने ले गए। वहां उसे गोली मार दी। गोलियों की आवाज सुनकर वह वहां पहुंचे। वहां से लहूलुहान मामुन को खानपुर के नारायणगंज अस्पताल पहुंचाया गया।

डॉक्टरों ने उनके भाई को मृत घोषित कर दिया। फतुल्लाह मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी शरीफुल इस्लाम ने कहा कि मामुन की हत्या क्यों गई, यह अभी साफ नहीं हो सका है। मगर यह घटना कारोबारी प्रतिस्पर्धा का नतीजा हो सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप के 'गाजा प्लान' को करना चाहिए लागू : इजरायली प्रधानमंत्री

एजेंसी

वाशिंगटन। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का समर्थन किया जिसमें गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए वहां से फिलिस्तीनियों को स्थानांतरित करने का प्रस्ताव शामिल है। उन्होंने इस योजना को 'असाधारण' बताया।

रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने अमेरिकी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में बुधवार को कहा, ÷यह पहला अच्छा विचार है जो मैंने सुना है। यह एक उल्लेखनीय विचार है। मुझे लगता है कि इसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए और लागू किया जाना चाहिए - क्योंकि यह सभी के लिए एक अलग भविष्य बनाएगा। इजरायली मीडिया के मुताबिक नेतन्याहू का यह बयान मंगलवार को व्हाइट हाउस में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप की ओर से पेश किए गए विचार का पहला पूर्ण समर्थन है। प्रेस

कॉन्फ्रेंस के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने गाजा पट्टी पर कब्जा करने और इसके पुनर्विकास का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, ÷अमेरिका गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा । हम इसे विकसित करेंगे। गाजा में मौजूद सभी खतरनाक बमों और अन्य हथियारों को निष्क्रिय करेंगे, जगह को समतल करने और तबाह हो चुकी इमारत को हटाएंगे।'ट्रंप ने कहा, अमेरिका एक ऐसा आर्थिक विकास करेगा जो क्षेत्र के लोगों के लिए असीमित संख्या में नौकरियों और आवास की आपूर्ति करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब उनसे एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या गाजा छोड़ने वाले फिलिस्तीनियों को भविष्य में वहां फिर से बसने की अनुमति दी जाएगी। तो जवाब में उन्होंने सवाल किया, 'आप वहां किसे रहते हुए देखते हैं?अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'वहां रहने वाले लोग, दुनिया के लोग होंगे इसमें फिलिस्तीनी भी शामिल होंगे। हालांकि जब इस बयान पर हंगामा हुआ तो व्हाइट हाउस ने बाद में सफाई दी। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वाशिंगटन का लक्ष्य केवल फिलिस्तीनियों को 'अस्थायी रूप से' हटाना है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, ट्रंप ने यह स्पष्ट कर दिया है... कि वह क्षेत्र में हमारे साझेदारों - विशेष रूप से मिस्र और जॉर्डन - से अपेक्षा करते है कि वे फिलिस्तीनी शरणार्थियों को अस्थायी रूप से स्वीकार करें ताकि हम उनके घरों का पुनर्निर्माण कर सकें।

हमास के कब्जे से नेपाली युवक की रिहाई के लिए ईरान से मांगी मदद

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा ने हमास के कब्जे से नेपाली युवक विपिन जोशी की रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। उन्होंने ईरान से मदद मांगी है। बंधकों को छोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू होने के 15 दिन बाद भी नेपाली युवक की रिहाई नहीं हो पाई है। विदेशमंत्री राणा ने आज सुबह ईरान के विदेशमंत्री सैयद अब्बास आरागची से टेलीफोन पर बातचीत की। राणा ने बताया कि उन्होंने ईरान के विदेशमंत्री से नेपाली युवक विपिन जोशी की रिहाई को लेकर आग्रह किया है। ईरान के विदेशमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अगली बार जब भी हमास के नेताओं से उनकी बातचीत होगी वो इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाएंगे। विदेशमंत्री राणा ने पिछले साल नवंबर और दिसंबर में इस संबंध में इजराइल, मिस्र और कतर के

विदेशमंत्रियों के साथ टेलीफोन पर बातचीत कर विपिन जोशी की रिहाई कराने का आग्रह किया था।

हमास ने इजराइल पर हमला करने के दिन ही करीब 12 नेपाली नागरिकों की हत्या किए जाने के साथ ही कई नेपाली नागरिकों का अपहरण कर लिया गया था। मारे गए नेपाली नागरिकों अधिकतम छात्र थे। अब तक सैकड़ों नेपाली नागरिकों को सुरक्षित नेपाल लाया जा चुका है।

लॉस एंजिल्स जंगल की आग से हुआ 164 अरब डॉलर का नुकसानः रिपोर्ट

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका की लॉस एंजिल्स काउंटी को तबाह करने वाली दो सबसे बड़ी जंगल की आग पर जारी एक नई रिपोर्ट के अनुसार इससे कुल 164 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति और पूंजी तक का नुकसान हुआ है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, पैलिसेड्स और ईटन की आग से होने वाली कुल संपत्ति और पूंजीगत हानि 95 अरब डॉलर से 164 अरब डॉलर के बीच हो सकती है, जिसमें बीमाकृत नुकसान 75 अरब डॉलर होने का अनुमान है।

यूसीएलए एंडरसन फोरकास्ट के अर्थशास्त्री झियुन ली और विलियम यू द्वारा लिखित रिपोर्ट में 2025 के लिए काउंटी-स्तरीय सकल घरेलू उत्पाद में 0.48 प्रतिशत की हानि का अनुमान लगाया गया है, जो लगभग 4.6 अरब डॉलर है और प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय व्यवसायों एवं कर्मचारियों की कुल वेतन हानि 29.7 करोड़ डॉलर है। रिपोर्ट में कहा गया कि जंगल की आग का पर्याप्त एवं प्रभावी शमन और निवेश के बिना, कैलिफोर्निया वासियों को तेजी से उच्च बीमा प्रीमियम एवं उत्पन्न प्रदूषण के कारण बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ेगा। लॉस एंजिल्स आवास बाजार विशेष रूप से किराये की इकाइयों के लिए तेजी से पहुंच से बाहर हो जाएगा।÷

पाकिस्तान में सियासी हलचल, जेयूआईएफ नेता फजलुर रहमान के तेवर देख प्रधानमंत्री शहबाज पहुंचे मिलने

एजेंसी

इस्लामाबाद। नेशनल असेंबली में कुछ वक्त पहले संघीय सरकार को संकट से उबारने वाले जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयूआईएफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के बदले तेवर से सियासी हलचल तेज हो गई है। हुकूमत को लगता है कि मौलाना अगर रुठ गए तो मुसीबत बढ़ जाएगी। इस तल्खी को दूर करने के लिए कल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने मौलाना फजलुर रहमान से उनके आवास पर मुलाकात की। प्रमुख समाचार पत्र द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री के मीडिया कार्यालय और जेयूआईएफ प्रवक्ता ने बैठक का विस्तृत विवरण जारी नहीं किया। हालांकि, दोनों पक्षों ने संक्षिप्त बयान में कहा कि बैठक के दौरान राष्ट्रीय और राजनीतिक मामलों पर चर्चा हुई। शहबाज ने

फजलुर रहमान से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की। मौलाना ने इसके लिए धन्यवाद दिया और शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर योजनामंत्री अहसान इकबाल और सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के अलावा मौलाना अब्दुल गफूर हैदरी, सीनेटर मौलाना अताउर रहमान, मौलाना असद महमूद और पार्टी प्रवक्ता असलम गौरी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले संसद भवन में मीडिया से बातचीत में फजलुर रहमान ने संघीय सरकार पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने कहा था कि अगर सत्ता प्रतिष्ठान के मंच से मनमाने फैसले लिए जाएंगे तो देश में समस्याएं बढ़ जाएंगी। सरकार को इस हद तक नहीं जाना चाहिए कि राजनेताओं के लिए कोई रास्ता न बचे। उन्होंने नए सिरे से आम चुनाव कराने की भी मांग की थी। शहबाज शरीफ ने उनसे बैठक में बताया कि सरकारी उद्यमों के निजीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने का आदेश दिया गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अर्थव्यवस्था में सुधार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके लिए हम सबको सामूहिक रूप से काम करना होगा। इसके अलावा, शहबाज शरीफ ने बैठक में आगा खान चतुर्थ के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में शनिवार को एक दिन का राष्ट्रीय शोक रहेगा।

स्थानीय समाचार

गवर्नमेंट मिडिल स्कूल में चोरी, इनवर्टर और बैटरी ले उड़े चोर

रामगढ़, 7 फरवरी (हि.स.)। रामगढ़ क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला गांव रड़वा के गवर्नमेंट मिडिल स्कूल का है जहां चोरों ने स्कूल में घुसकर इनवर्टर और बैटरी पर हाथ साफ कर दिया।

सुबह जब शिक्षक और विद्यार्थी स्कूल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि एक कमरे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो इनवर्टर और बैटरी गायब थे। चोरी की जानकारी मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तुरंत रामगढ़ थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और मामला दर्ज कर लिया।

गांव के लोगों ने इस घटना पर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि अब चोर शिक्षा के मंदिर को भी नहीं बख्श रहे। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द चोरों को पकड़ने और इलाके में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

सतीश शर्मा ने अंतर-स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट के उद्घाटन की घोषणा की

जम्मू 07 फरवरी (हि.स.)। एफसीएस और सीए परिवहन, युवा सेवा और खेल मंत्री सतीश शर्मा ने आईडीपीएस जम्मू में इंटर-स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट की शुरुआत की घोषणा की जो जम्मू सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। दो दिवसीय कार्यक्रम में क्षेत्र के 20 सीबीएसई स्कूलों के विभिन्न खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

सतीश शर्मा ने प्राथमिक विंग के लिए मार्शल आर्ट्स और स्पलैश पूल के लिए आईडीपीएस कॉम्बैट अकादमी का भी उद्घाटन किया जो छात्रों के बीच स्वास्थ्य, फिटनेस और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने विभिन्न स्कूलों से भाग लेने वाली टीम को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह आयोजन न केवल प्रतिभा, खेल कौशल और समर्पण का उत्सव है बल्कि एकता और सौहार्द की भावना का भी है जो खेल युवा दिमागों में बढ़ावा देता है।मंत्री ने अपने संबोधन के दौरान सभी प्रतिभागियों को उत्साह और खेल भावना के साथ खेलने और न केवल जीत के लिए प्रयास करने बल्कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और आपसी सम्मान की भावना का जश्न मनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सतीश शर्मा ने युवा नेताओं को तैयार करने और संतुलित शिक्षा बनाए रखने में खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेलों में एकजुट होने और प्रेरणा देने की शक्ति है।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर के शैक्षिक परिदृश्य में स्कूल के योगदान की भी प्रशंसा की और वर्षों से कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों के पोषण में इसकी भूमिका को स्वीकार किया।

उपमुख्यमंत्री ने नौशेरा में एआरटीओ कैंप कार्यालय का उद्घाटन किया

जम्मू 07 फरवरी (हि.स.)। सीमावर्ती क्षेत्रों में परिवहन संबंधी सेवाओं में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने नौशेरा में सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कैंप कार्यालय का उद्घाटन किया।

इस पहल का उद्देश्य नौशेरा और सुंदरबनी के लोगों को घर पर सेवाएं प्रदान करना है जिन्हें पहले आवश्यक परिवहन सेवाओं के लिए राजौरी तक 80 किमी से अधिक की यात्रा करनी पड़ती थी।

कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए नव स्थापित कैंप कार्यालय प्रत्येक सोमवार को वाहन निरीक्षण के अलावा प्रत्येक शनिवार को ड्राइविंग परीक्षण परीक्षण भी करेगा।

इस कदम से निवासियों, विशेषकर नियंत्रण रेखा के पास रहने वाले लोगों को समय, प्रयास और यात्रा व्यय की बचत करके बहुत लाभ होने की उम्मीद है। जनता ने इस पहल की व्यापक रूप से सराहना की है और इसे दूरदराज के क्षेत्रों में परिवहन सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए सरकार का एक ऐतिहासिक निर्णय बताया है।

इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने लोगों के कल्याण के लिए आवश्यक सेवाओं के विकेंद्रीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि नौशेरा में एआरटीओ कैंप कार्यालय स्थानीय आबादी के सामने आने वाली कठिनाइयों को कम करते हुए, परिवहन से संबंधित सुविधाओं तक आसानी से पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है।

स्थानीय निवासियों और प्रतिनिधियों ने इस अत्यंत आवश्यक सुविधा के लिए प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया जो क्षेत्र में सड़क सुरक्षा अनुपालन को बढ़ाते हुए लाइसेंसिंग और वाहन पंजीकरण सेवाओं को सुव्यवस्थित करेगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने कंगन में सड़क किनारे खाने-पीने की दुकानों पर कार्रवाई की

जम्मू 07 फरवरी (हि.स.)। खाद्य सुरक्षा विभाग गांदरबल ने खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए शुक्रवार को कंगन के मुख्य बाजार में सड़क किनारे खाने-पीने की दुकानों का गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण अभियान का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिराज अहमद मीर ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम के साथ किया। निरीक्षण के दौरान विक्रेताओं को स्वच्छता, सफाई और खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं से संबंधित एफएसएस अधिनियम.2006 की अनुसूची.4 और इसके नियम और विनियम 2011 का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया।

अधिकारियों ने मौके पर ही अस्वास्थ्यकर और सड़े हुए भोजन को नष्ट कर दिया और उल्लंघन करने वालों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। इसके अलावा एफएसएस अधिनियम की धारा 56 के तहत सक्षम न्यायालय में उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कई चालान दायर किए जाने की तैयारी है।

विभाग ने सभी खाद्य विक्रेताओं से स्वच्छता मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया है इस बात पर जोर देते हुए कि अनुपालन न करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जेकेआरईजीपी के तहत जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की हुई बैठक

कठुआ 07 फरवरी (हि.स.)। योग्य जिला विकास आयुक्त कठुआ (अध्यक्ष डीएलटीएफसी) के निर्देश पर जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार उद्यम प्रदान करने के लिए डीसी कार्यालय परिसर कठुआ के सम्मेलन हॉल में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की एक बैठक बुलाई गई। बैठक में डीएलटीएफसी के समक्ष 51 आवेदन रखे गए, जिनमें से 09 अनुपस्थित, 02 आवेदन स्थगित और 40 आवेदनों को आवेदकों से बातचीत के बाद बैंकों को प्रायोजित करने के लिए मंजूरी दे दी गई।

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती

फ्रेंचबीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खायी जाती है तथा सुखा कर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है।

हरी बीन्स, या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स, में मुख्यत: पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्सियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं। बीन्स विटामिन बी2 का मुख्य स्रोत होते हैं। बीन्स सोल्युबल फाईबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फ़ायदेमंद हैं। ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज़ खाने से रक्त में कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

किस्में

झाड़ीदार किस्में जाइंट स्ट्रींगलेस, कंटेंडर, पेसा पार्वती, अक्र कोमल, पंत अनुपमा तथा प्रीमियर, वी.एल. बोनी-1

बेलदार किस्में केंटुकी वंडर, पूसा हिमलता व एक.वी0एन.-1

जलवायु फ्रांसबीन के लिए हल्की गर्म जलवायु की आवश्यकता है। इसके लिए 18-24 डिग्री से. तापमान की आवश्यकता है। अधिक ठंड तथा गर्मी दोनों, इसके लिए हानिकारण हैं। इसकी सफल खेती के लिए लगातार 3 महीने अनुमूल मौसम चाहिए।

भूमि- बलुई बुमट व बुमट मिटटी अच्छी पाई गई है। इसकी खेती के लिए भारी व अम्लीय भूमि वाली मिटटी उपयुक्त नहीं है।

बीजदर

झाड़ीदार किस्म 80-90 कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर

बेलदार किस्म 35-30 कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर

बुवाई का समय उत्तर भारत में जहाँ पर सर्दी अधिक होती है। इसकी बुवाई दो बार अक्टूबर व फरवरी में की जा सकती है। हल्की ठंड वाले स्थानों पर नवम्बर के पहले सप्ताह में बुर्वा उपयुक्त है। पहाड़ी क्षेत्रों में फरवरी, मार्च व जून माह में बुवाई की ज । सकती है।

बुवाई की दूरीबीज की बुवाई पंक्ति से पंक्ति 45-60 सें.मी. तथा बीज से बीज की दूरी 10 सें.मी. पर होती है। लेकिन बेलदार किस्मों के लिए पंक्ति से पंक्ति 100 से.मी. की दूरी रखनी चाहिए तथा पौधों को सहारा देने का प्रबंध आवश्यक है। बीज अंकुरण के लिए पर्याप्त नमी का होना भी आवश्यक है।

उर्वरण व खाद बुवाई से पहले बीज का राइजोबियम नामक जीवाणु से उपचार कर लें। नत्रजन 20 कि.ग्रा. फास्फोरस 80 कि.ग्रा. व पोटाश 50 कि.ग्रा. की मात्रा/हेक्टेयर की दर से खेत की तैयारी में अन्तिम जुलाई पर मिलाएँ तथा 20 कि.ग्रा. नत्रजन/हेक्टेयर की दर से फसल में फूल आने पर प्रयोग करें। 20-25 टन गोबर या कम्पोस्ट खाद को खेत की तैयारी के समय मिट ?टी में अच्छी तरह मिला दें।

सिंचाई बुआई के समय बीज अंकुरण के लिए पर्याप्त नमी की आवश्यकता है। इसके बाद 1 सप्ताह से 10 दिन के अंतराल पर फसल की आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें।

खरपतवार नियंत्रण दो से तीन बार निराई व गुड़ाई खरपतवार नियंत्रण के लिए काफी है।

एक बार पौधों को सहारा देने के लिए मिट ?टी चढ़ाना आवश्यक है। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए 3 लिटर स्टाम्प का प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के बाद दो दिन के अंदर घोलकर छिड़काव करें।

तुड़ाई तुड़ाई फूल आने के 2-3 सप्ताह बाद आरंभ हो जाती है। तुड़ाई नियमित रुप से जब फलियाँ नर्म व कच्ची अवस्था में हो, तभी करें।

उपज हरी फली उपज 75-100 क्विंटल/हेक्टेयर की दर से प्राप्त होती है। यह प्रजाति के प्रकार पर भी निर्भर करती है।

बीजोत्पादन किस्म की मांग के आधार पर बीज उत्पादन करें। आधार बीज के लिए 10 मीटर तथा प्रमाणित बीज के लिए 5 मीटर की पृथक्करण दूरी पर्याप्त है।

प्रजाति की शुद्धता बनाए रखने के लिए दो बार अवांछित पौधों को बीज फसल से निकाल दें। पहली बार फूल आने की अवस्था में तथा दूसरी बार फली के पूर्ण विकसित होने की अवस्था में जिससे बीज फसल की शुद्धता बनी रहे। लगभग 90 प्रतिशत फलियों के पकने पर फसल की कटाई करें। फसल मड़ाई, बीज की सफाई के बाद उसे सुखाएँ व बीज उपचार के बाद बीज का भण्डारण करें। बीज उपज 10-15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्रजाति के अनुसार

रेशम उत्पादन तकनीक में प्रगति पर संगोष्ठी संपन्न

पुंछ 07 फरवरी (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के पुंछ परिसर में शुक्रवार को रेशम उत्पादन में प्री-कोकून और पोस्ट-कोकून तकनीक में हालिया रुझान और प्रगति पर दो दिवसीय संगोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। संगोष्ठी में रेशम उत्पादन में नवीनतम प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया जिसमें रेशम उत्पादन में नवीन तकनीकों और अनुसंधान विकास पर प्रकाश डाला गया। पुंछ परिसर के निदेशक प्रो. राकेश वैद ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की जबकि डॉ. एन.एस. गहलोत वैज्ञानिक.डी केंद्रीय रेशम प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान मीरान साहिब जम्मू विशिष्ट अतिथि थे। अपने वर्चुअल संबोधन में प्रो. राकेश वैद ने आधुनिक रेशम उत्पादन तकनीकों पर अपनी विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए डॉ. एन.एस. गहलोत के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों के बीच अनुसंधान सहयोग और कौशल विकास को बढ़ावा देने में इस तरह के शैक्षणिक जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि पुंछ परिसर रेशम उत्पादन को एक स्थायी आजीविका के रूप में बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इसी तरह के ज्ञान.साझाकरण मंचों का आयोजन जारी रखेगा।

डॉ. एन.एस. गहलोत ने अपने संबोधन में पुंछ परिसर विशेष रूप से प्रो. राकेश वैद को इस तरह के प्रासंगिक और विकसित विषय पर इस सेमिनार के आयोजन के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। उन्होंने प्री-कोकून और पोस्ट-कोकून प्रौद्योगिकियों में उभरते रुझानों पर प्रकाश डाला रेशम उत्पादकता बढ़ाने में जैव प्रौद्योगिकी मशीनीकरण और डिजिटल नवाचारों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने छात्रों को रेशम उत्पादन उद्योग के विकास में योगदान देने के लिए अनुसंधान और कौशल निर्माण गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया। प्रवचन में डॉ. आरती शर्मा सहायक प्रोफेसर एसकेसी.जीडीसी पुंछ ने एक व्यावहारिक भाषण दिया जिसमें रेशम की गुणवत्ता और उपज में सुधार के लिए रेशम उत्पादन में वैज्ञानिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया गया। उन्होंने स्थायी रेशम उत्पादन प्रथाओं के महत्व और अनुसंधान और क्षेत्र अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर चर्चा की। पुंछ परिसर के रेशम उत्पादन के पीजी विभाग की प्रभारी डॉ. रुबिया बुखारी ने दो दिवसीय सेमिनार पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें मुख्य विचार.विमर्श विशेषज्ञ वार्ता और इंटरैक्टिव सत्रों का सारांश दिया गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे इस आयोजन ने विशेषज्ञों, शिक्षकों और छात्रों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया जिससे आधुनिक रेशम उत्पादन की प्रगति की गहरी समझ को बढ़ावा मिला। इस अवसर पर डॉ. रुबिया बुखारी और डॉ. पलवी शर्मा ने पुंछ परिसर के निदेशक की ओर से डॉ. एन.एस. गहलोत और डॉ. आरती शर्मा को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए प्रशंसा के प्रतीक के रूप में स्मृति चिन्ह भेंट किए।

सेमिनार में रेशम उत्पादन विभाग के छात्रों के साथ.साथ परिसर के शिक्षण और गैर.शिक्षण कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

शिवसेना की अमेरिका की तरह भारत सरकार से अवैध घुसपैठियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

जम्मू, 7 फरवरी (हि.स.)। अमेरिका की ट्रंप सरकार की तरह भारत की मोदी सरकार भी तत्काल अवैध रूप से भारत में रह रही पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर, बांग्लादेश की पूर्व राष्ट्रपति शेख हसीना समेत तमाम अवैध बांग्लादेशियों व रोहिंगियों को देश से बाहर का रास्ता दिखाए। यह कहना है शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर इकाई प्रमुख मनीश साहनी का।

पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी के नेतृत्व में एकत्रित शिव सैनिकों ने शेख हसीना, सीमा हैदर को वापिस भेजो, अवैध रोहिंगियों, बांग्लादेशियों को बाहर निकालो लिखे प्लेकार्ड पकड़ जोरदार प्रदर्शन किया।

साहनी ने अपने संबोधन में कहा कि बंगलादेश में हिन्दुओं पर हमलों का सिलसिला जारी है। गत दिवस बंगलादेश की पूर्व राष्ट्रपति शेख हसीना के लाइव भाषण के दौरान बंगलादेश के राजशाही जिले के फुदकी गांव में हिन्दुओं को निशाना बनाया गया। मंदिर में मौजूद सरस्वती देवी की मूर्ति को तोड़ दिया गया।

सत्तांतरण के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के दौर रुके नहीं हैं। साहनी ने कहा कि भाजपा का रोहिंग्यों व बंग्लादेशियों के खिलाफ हो-हल्ला मात्र चुनावी स्टंट है। बंगलादेश के साथ 36 का आंकड़ा होने के बावजूद आज भी 856 किलोमीटर के करीब इंडो-बांग्लादेश बॉर्डर खुला पड़ा यानि फेंसिंग नहीं है।

वहीं 2007 में जारी आंकड़ों के अनुसार करीब 1.2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी भारत में थे। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार आज करीब दो करोड़ बांग्लादेशी भारत में अवैध रूप से डेरा डाले हैं। बंगलादेश के साथ अपने रिश्तों को ताक पर रख भारत सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति शेख हसीना को भारत में पनाह दे रखी हैं। वहीं पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर जो करीब दो साल पूर्व अपने चार बच्चों समेत अवैध तरीके से भारत में दाखिल हुई थी आज अपने पांचवें बच्चे की मां बनने वाली हैं। जबकि अमेरिका बेड़ियां पहनाकर भारतीयों को वापिस भेज रहा है।

अतिसंवेदनशील जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्याओं की संख्या सरकारी आंकड़ों से कहीं ज्यादा है। इनका बायो मैट्रिक्स डेटा भी पुलिस प्रशासन के पास नहीं है। हाल ही में कश्मीर में महिला तस्करी जैसे घिनौना कई मामलों सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि गहन जांच पड़ताल हो तो दर्जनों सीमा हैदर कश्मीर में मिल सकती है। साहनी ने केंद्र की मोदी सरकार व जम्मू-कश्मीर समेत तमाम राज्य सरकारों से अमेरिका से सबक लेते हुए रोहिंग्या व अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर राज्य व देश की सीमा से बाहर भेजने के लिए तत्काल व सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शहीद स्मारक के सौंदर्यीकरण के लिए लगे कार्य को रुकवाया, कहा स्मारक को तोड़कर सौंदर्यीकरण स्वीकार नहीं

कठुआ 07 फरवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन की ओर से कठुआ शहर के विभिन्न जगहों पर शहर की सौंदर्योकरण के लिए कई कार्य शुरू किए गए। इसी में एक कठुआ के शहीदी चौक स्थित शहीद स्मारक के सौंदर्यीकरण के लिए भी जिला प्रशासन ने काम शुरू करवाया जिसके बाद पूर्व सांसद चौ लाल सिंह मौके पर पहुंचे और उन्होंने काम रुकवा दिया। उन्होंने कहा कि शहीदों के स्मारक को तोड़कर किसी भी तरह का सौंदर्यीकरण उन्हें स्वीकार नहीं है।

शहर के सौंदर्यीकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा शुरू किये जा रहे प्रयासों के पहले चरण में शहीदी चौक में स्थित शहीदों के स्मारक की तोड़फोड़ कर वहां नई लुक देने के लिए किए जा रहे कार्य को पूर्व सांसद चौधरी लाल सिंह ने विरोध कर बंद करवा दिया और वहां काम कर रहे हैं नगर परिषद के कर्मियों को लौटा दिया।चौ लाल सिंह का कहना है कि शहीदों के स्मारक को तोड़कर किसी भी तरह का सौंदर्यीकरण उन्हें स्वीकार नहीं है, सौंदर्यीकरण के लिए शहर में और बहुत स्थान है जहां

अतिक्रमण और कचरे से भरी हुई है वहां पर सौंदर्यीकरण किया जा सकता है। लेकिन शहीदों के स्मारक के साथ किसी भी तरह की तोड़फोड़ स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि 105 शहीदों की आस्था इस स्मारक के साथ जुड़ी हुई है, यह जैसा भी बना है ठीक है इसे तोड़ा ना जाए।

वहीं मौके पर पहुंचे नगर परिषद कठुआ के सीईओ ने भी चौधरी लाल सिंह से बात कर स्पष्टीकरण दिया कि स्मारक को बेहतर ढंग से बनाया जाएगा। लेकिन चौधरी लाल सिंह नहीं माने और उन्होंने काम रुकवा दिया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए चौधरी लाल सिंह ने कहा कि 1999 से वह शहीदों की याद में शहीदी चौक में कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे हैं और उनकी देखरेख में शहीद स्मारक को बेहतर तरीके से बनाया गया है इसमें कोई भी कमी नहीं है और इस स्मारक के ऊपर 105 शहीदों के नाम लिखे हुए हैं जिनकी आस्था लाखों लोगों के साथ जुड़ी हुई है इसलिए इसे तोड़ा नहीं जाएगा।

सीईओ ने बताया कि यहां पर कुछ शहीदों की मूर्तियां लगाई जाएगी लेकिन लाल सिंह ने इसका कड़ा विरोध किया। चौधरी लाल सिंह ने कहा कि इस स्मारक के पर 105 शहीदों के नाम लिखे गए हैं, अगर एक या दो शहीदों की मूर्तियां लगाई जाएगी तो बाकी 105 शहीदों का अपमान होगा। इसलिए इस स्मारक के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। फिलहाल काम को रोक दिया गया है, हालांकि स्मारक के आसपास लगे ग्रेनाइट को उखाड़ दिया गया है।